संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-14 बुधवार,15 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

चंदे का विवरण देना होगा राजनैतिक दलों को

» सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव आयोग ने भेजी चिट्ठी

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2023(ए)। चुनावी बॉन्ड यानि इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये चंदा पाने वाले सभी राजनीतिक दलों को इसका ब्यौरा चुनाव आयोग के पास जमा करना होगा। बता दें कि विगत 2 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से चंदे पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पार्टियों को 30 सितंबर, 2023 तक चुनावी बॉन्ड के माध्यम से जितना धन मिला है, इसका अद्यतन डेटा सीलबंद कवर में अदालत में पेश करने का निर्देश दिया गया है। अब राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड से मिले चंदे का विवरण 15 नवंबर तक आयोग के पास जमा कराना ही होगा।

सुप्रीम आदेश' के बाद दलों को भेजा गया पत्र

चुनाव आयोग ने ऐसी सभी पार्टियों से विवरण मांगा है, जिन्हें कभी भी चुनावी बॉन्ड के माध्यम से कोई दान मिला है। इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की शुरुआत के बाद से मिले तमाम चंदों की डिटेल आयोग के पास जमा करानी होगी। इस संबंध में बीते 3 नवंबर को सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को चुनाव आयोग की तरफ से पत्र भेजा गया।

सीलबंद लिफाफे में होगा चंदे का विवरण

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से प्रत्येक बॉन्ड खरीदने वाले दानदाताओं का विस्तृत विवरण मांगा है। ऐसे प्रत्येक बॉन्ड की राशि और प्रत्येक बॉन्ड के खिलाफ प्राप्त क्रेडिट का पूरा विवरण सीलबंद लिफाफे में साझा किया जाना है। चुनाव आयोग के पत्र में कहा गया है कि ब्योरा दो सीलबंद लिफाफे में भेजा जाना चाहिए। एक विधिवत सीलबंद लिफाफे में चंदे का ब्योरा होना चाहिए। दूसरे विधिवत सीलबंद लिफाफे में पहले लिफाफे को रखा जाएगा।

गोपनीय-चुनावी बॉन्ड लिखना जरूरी

चुनाव आयोग ने इसके लिए 15 नवंबर तक का समय दिया है।राजनीतिक चंदों का तमाम विवरण चुनाव व्यय प्रभाग के

सचिव को भेजा जाएगा। चुनाव आयोग ने कहा कि सीलबंद लिफाफे 15 नवंबर की शाम तक उसके पास पहुंच जाने चाहिए। लिफाफों पर स्पष्ट रूप से गोपनीय-चुनावी बॉन्ड अंकित होना चाहिए।

करीब 42 महीने पहले पारित हुआ आदेश

गौरतलब है कि बीते 2 नवंबर को पारित आदेश में शीर्ष अदालत ने कहा था, चुनावी बॉन्ड से मिले चंदे का विवरण जमा कराने संबंधी ÷अभ्यास 19 नवंबर, 2023 को या उससे पहले किया जाएगा। एक सीलबंद पैकेट में डेटा सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को सौंपा जाएगा। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 12 अप्रैल, 2019 को पारित अंतरिम निर्देश का हवाला दिया।

चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगाने से इनकार

शीर्ष अदालत ने करीब साढ़े तीन साल पहले पारित आदेश (अप्रैल, 2019) में राजनीतिक दलों को चुनावी बॉन्ड के माध्यम से प्राप्त धन का विवरण सीलबंद कवर में चुनाव आयोग के समक्ष जमा कराने का निर्देश दिया था। अप्रैल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया था कि वह याचिकाओं पर विस्तार से सुनवाई करेगी क्योंकि केंद्र और चुनाव आयोग ने ÷महत्वपूर्ण मुद्दे÷ उठाए हैं। सरकार और चुनाव आयोग की दलील है कि इन मुद्दों का देश में चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता पर ÷जबरदस्त प्रभाव÷ पड़ेगा।

क्या है इलेक्टोरल बॉन्ड योजना

चुनावी बॉन्ड योजना केंद्र सरकार ने दो जनवरी, 2018 को अधिसूचित की थी। सरकार का दावा है कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता आएगी। सरकार ने राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद दान के विकल्प के रूप में इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पेश की थी। योजना के प्रावधानों के अनुसार, भारत का कोई भी नागरिक या देश में निगमित या स्थापित इकाई चुनावी बॉन्ड खरीद सकती है। कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से भी चुनावी बॉन्ड खरीद सकता है। चंदा देने वाले की पहचान गोपनीय रहेगी। यहां तक कि आरटीआई की मदद से भी इसकी जानकारी नहीं हासिल की जा सकती।

किसे मिलता है चंदा, भुनाने का नियम क्या?

नियमों के मुताबिक जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत राजनीतिक दलों को ही चुनावी बॉन्ड से चंदा हासिल करने का अधिकार होगा। ऐसे दल जिन्हें लोकसभा या राज्य विधान सभा के पिछले चुनाव में कम से कम एक प्रतिशत वोट मिले हों, वे बॉन्ड की मदद से चंदा हासिल कर सकते हैं। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, चुनावी बॉन्ड भारतीय स्टेट बैंक से जारी होंगे और इसे योग्य राजनीतिक दल की तरफ से केवल अधिकृत बैंक के खाते के माध्यम से ही भुनाया जा सकेगा।

जेल में जबरन वसूली मामला

सीबीआई ने सत्येंद्र जैन,पूर्व जेल महानिदेशक पर एफआईआर की अनुमति मांगी; एमएचए को भेजा अनुरोध

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2023(ए)। सीबीआई ने 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी संदीप गोयल और तिहाड़ में अतिरिक्त महानिरीक्षक के पद पर तैनात सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मुकेश प्रसाद के खिलाफ अनिवार्य मंजूरी के लिए अनुरोध भेजा है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर सहित विभिन्न हाई प्रोफाइल कैदियों से कथित तौर पर करोड़ों रुपये की उगाही करने के मामले में दिल्ली के पूर्व जेल महानिदेशक संदीप गोयल और पूर्व आईएएस अधिकारी मुकेश प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए गृह मंत्रालय से मंजूरी मांगी है।

अधिकारियों ने बताया कि जेल में आरामदायक जिंदगी के बदले में सुकेश चंद्रशेखर समेत हाई-प्रोफाइल कैदियों से करोड़ों रुपये की कथित उगाही के मामले में सीबीआई ने दिल्ली के पूर्व जेल मंत्री सत्येंद्र जैन और पूर्व जेल महानिदेशक संदीप गोयल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी है। जैन और जेल अधिकारी राजकुमार के खिलाफ मंजूरी का अनुरोध उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के कार्यालय को भेजा गया है, जबकि निलंबित आईपीएस अधिकारी गोयल और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मुकेश प्रसाद के लिए केंद्रीय एजेंसी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है।

केंद्र ने हाईकोर्ट के 5 न्यायाधीशों के तबादले को मंजूरी दी

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2023 (ए)।केंद्र ने प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों के अनुरूप विभिन्न उच्च न्यायालयों में पांच न्यायाधीशों के स्थानांतरण के संबंध में अधिसूचना जारी की है।

राष्ट्रपति ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर बी.सराफ और विवेक चौधरी को क्रमशः इलाहाबाद और पटना उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया है। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी एक अन्य अधिसूचना में कहा गया कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एम.सुधीर कुमार और सी. सुमलता को क्रमशः मद्रास और कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। राष्ट्रपति ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक कुमार सिंह को मद्रास उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का भी आदेश दिया।

मिलावटी खाना या पेय पदार्थ बेचने पर हो छह महीने की जेल

संसदीय समिति की सिफारिश

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2023(ए)। खाने-पीने की सामग्री में मिलावट जनता के लिए जानलेवा साबित हो सकती है और स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही। इसलिए एक संसदीय समिति ने मिलावटी भोजन या पेय बेचने पर कम से कम छह महीने की कैद दिए जाने की सिफारिश की है। साथ ही ऐसे दोषियों पर 25 हजार रुपये का न्यूनतम जुर्माना लगाने को कहा है।

6 महीने सजा और 25 हजार जुर्माने की सिफारिश

गृह मंत्रालय की स्थायी समिति की अध्यक्षता कर रहे भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी गंभीर मामले प्रायः मिलावटी भोजन या पेय का भी नतीजा होते हैं, लेकिन इनके दोषियों को मौजूदा समय में दी जाने वाली सजा अपर्याप्त है। इसलिए समिति ने तय प्रविधान के तहत न्यूनतम सजा छह माह और न्यूनतम जुर्माना 25 हजार रुपये करने की सिफारिश की है।

हानिकारक भोजन या पेय की बिक्री का हवाला देते हुए समिति ने कहा कि इस अपराध में बड़े पैमाने पर जनता के स्वास्थ्य को प्रभावित करने की क्षमता है और अपराध के प्रविधानों के तहत दी जाने वाली सजा बहुत कम है। इसलिए समिति ने कैद की सजा और जुर्माने को बढ़ाने की सिफारिश की है। मौजूदा समय में यह कैद अधिकतम छह महीने तक की और जुर्माना हजार रुपये का है।

सामुदायिक सेवा को सराहा

संसदीय समिति ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के दंड के प्रविधानों में सामुदायिक सेवा को शुरू करने के प्रस्ताव को भी सराहा है और कहा कि इस सराहनीय प्रयास से आरोपितों के प्रति सुधारात्मक रवैया स्थापित किया जाएगा। इससे जेल के बुनियादी ढांचे पर भी साथी कैदियों का दबाव कम होगा। इससे देश की जेलों का प्रबंधन सुधरेगा। समिति का कहना है कि सामुदायिक सेवा आरोपितों को जेल भेजने के बजाय उनसे बिना वेतन के काम कराना है। इसलिए समिति का कहना है कि इसके तहत कराए जाने वाले कार्यों और तौर-तरीकों को परिभाषित और स्पष्ट किया जाना चाहिए। दरअसल, प्रस्तावित विधेयक में सामुदायिक सेवा की शर्तों और नियमों का अब तक कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

बीएनएस में टाइपिंग की गलतियां

स्थाई समिति ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का विस्तृत परीक्षण किया और पाया कि इसके मसौदे में टाइपिंग और व्याकरण की कुछ गलतियां हैं। समिति का कहना है कि टाइपिंग की एक भी गलती या व्याकरण की गलती से संहिता का गलत विश्लेषण हो सकता है। इसलिए मंत्रालय को इन्हें जल्द से जल्द सुधारना चाहिए। संसदीय समिति की इस रिपोर्ट को पिछले शुक्रवार को राज्यसभा में पेश किया जा चुका है। यह रिपोर्ट तीन लोकसभा में पेश हो चुके तीन प्रस्तावित कानूनों भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयक पर है।

जयपुर शिफ्ट होंगी सोनिया गांधी

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2023(ए)। दिल्ली में प्रदूषण के बिगड़े हालात के चलते कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अस्थाई तौर पर जयपुर शिफ्ट हो रही हैं।

मिली जानकारी के अनुसार वह जयपुर में तब तक रहेंगी, जब तक दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में सुधार नहीं आता। बता दें कि सोनिया गांधी सांस संबंधित समस्याओं से पीड़ित हैं, जिसकी वजह से डॉक्टरों ने उन्हें सलाह दी है कि अस्थाई तौर पर ऐसी जगह शिफ्ट हो जाएं, जहां की हवा की गुणवत्ता बेहतर हो।मंगलवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 375 था, जो 'गंभीर' श्रेणी में है, जबकि जयपुर का आंकड़ा 72 था, जो 'मध्यम' श्रेणी में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जो कि अभी विधानसभा चुनाव के प्रचार में लगे हुए हैं, वह सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे।ऐसा पहली बार नहीं है जब कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष को दिल्ली के प्रदूषण से बचने के लिए दूसरे शहर में जाना पड़ा हो। 2020 की सर्दियों में, सोनिया गांधी डॉक्टरों की सलाह पर गोवा गई थीं।

कुत्ते के काटने पर सरकार से मिलेगा 20 हजार का मुआवजा

हाईकोर्ट ने दिया आदेश

चंडीगढ़,14 नवम्बर 2023(ए)। डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि डॉग बाइट के मामले इतने बढ़ गए हैं कि लोगों को इसके लिए कोर्ट पहुंचना पड़ रहा है। मुआवजे के लिए राज्य सरकार ही जिम्मेदार होगी। कोर्ट ने पीड़ित को 10 हजार रुपये प्रति दांत के निशान से मुआवजा देने का आदेश दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकारों को इसके लिए गाइडलाइन बनाने का भी आदेश दिया।

जस्टिस विनोद एस भारद्वाज की बेंच ने चंडीगढ़ में कुत्ते काटने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। एस भारद्वाज की बेंच ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला सुनाया। बेंच ने कहा कि अगर कुत्ते के काटने से दांत के निशान बनते हैं तो पीड़ित को प्रति दांत के निशान पर 10 हजार रुपये मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा

अगर कुत्ते के काटने से स्किन में घाव होता है या मांस निकल जाता है तो प्रति 0.2 सेंटी मीटर घाव के लिए मिनिमम 20,000 रुपये मुआवजा दिया जाए। पंजाब और हरियाणा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को इस तरह के मुआवजे का निर्धारण करने के लिए संबंधित जिलों के उपायुक्तों की अध्यक्षता में समितियों का गठन करने का भी आदेश दिया गया है। जस्टिस विनोद एस भारद्वाज की बेंच ने कहा कि मुआवजे की रकम राज्य सरकार उस इंसान या एजेंसी से वसूल सकती है, जिसका कुत्ते से कोई कनेक्शन हो। कोर्ट ने कहा कि कुत्ते काटने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। कई लोगों की मौत हो गई है। अगर इस पर लगाम नहीं लगाया गया तो मामले और भी बढ़ेंगे। इससिए अब राज्य सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति विनोद एस भारद्वाज की पीठ ने कहा, 'कुत्ते के काटने के बाद अगर कोई आवश्यक दस्तावेजों के साथ मुआवजे का आवेदन करता है तो समितियां इस पर तत्काल कार्रवाई करें। आवेदन के बाद सारी फॉर्मलिटीज करके 4 महीने के अंदर निस्तारण किया जाए।'

रातोंरात बन गया करोड़पति

अकाउंट में आ गए 4.78 करोड़

अलीगढ़,14 नवम्बर 2023(ए)। अलीगढ़ के भुजपुरा का निवासी असलम दो दिन में करोड़ पति हो गया। उसके अकाउंट में अचानक 4.78 करोड़ रुपए आए. और वह रातों-रात करोड़ पति बन गया. दरअसल असलम के पास दों अकाउंट थे।

असलम के खाते में दो दिनों में 4.78 करोड़ रुपए आ गए हैं. रुपए आने के मैसेज देख युवक दंग रह गया। उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही बैंक को भी जानकारी दी है. बताया है कि यह रुपए उसके नहीं हैं। जिसमें अचानक 4.78 करोड़ रुपए आए. एक आईडीएफसी और दूसरा यूसीओ बैंक खाता है. लेकिन इतना पैसा देख असलम हैरान होकर आईडीएफ सी और यूसीओ मैनेजर से लिखित शिकायत की. ऐसे में असलम के द्वारा आई डीएफ सी और यूसीओ मैनेजर को शिकायत लिखने के बाद, मामले को नजदीकी थाने में भी शिकायत की। भुजपुरा के असलम का आईडीएफसी बैंक में उसका खाता है। 11 नवंबर से उसके बैंक खाते में रुपए आने शुरू हो हुए खाते में 4 करोड़ 78 लाख रुपए आ चुके हैं। असलम के अनुसार, उसके दो अकाउंट हैं। एक आईडीएफ सी और दूसरा यूसीओ बैंक में. दोनों खाते में करीब 4.78 करोड़ रुपए आए हैं। ये रुपए किसके हैं, उसे इसकी जानकारी नहीं है। बैंक में भी इसके बारे में जानने की कोशिश की, लेकिन वहां भी कोई सटीक जानकारी नहीं मिल पाई। असलम के अनुसार, बैंक खाता फ्रीज होने से 4.78 करोड़ रुपयों के साथ ही उसकी अपनी मेहनत की कमाई भी बैंक में फ्रीज हो गई है। उसने इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन पर फोन किया है. बताया कि उसका आईडीएफसी बैंक में एकाउंट है। पहले इसी एकाउंट में रुपए ट्रांसफर हुए. इसके बाद यूको बैंक के खाते में ट्रांसफर हुए हैं।

पड़ोसी राज्य से आदिवासियों के लिए मोदी आज शुरू करेंगे 25 हजार करोड़ का मिशन

टार्गेट में होंगे सीजी-एमपी

खूंटी,14 नवम्बर 2023 (ए)। जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को झारखंड के खूंटी जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मोदी पीएम पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन÷ शुरू कर इसके तहत शुरू किये जाने वाले स्वास्थ्य कार्यक्रमों की घोषणा करेंगे।

मतदाताओं को रिझाने का तरीका..!

चुनावी राज्यों के सीमा पार पड़ोस के शहर में सभाएं करने की रणनीति के तहत पीएम नरेंद्र मोदी आज झारखण्ड में आदिवासियों के लिए नई योजना घोषित करने जा रहे हैं। वे ऐसा अक्सर प्रचार के अंतिम दिन या फिर मतदान वाले दिन करते रहे हैं।

आज छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश समेत पांच राज्यों में चुनाव प्रचार थमने जा रहा है। जहां 17 नवंबर को मतदान होना है। इनमें छत्तीसगढ़ की 70 सीटे शामिल हैं। और आदिवासी बहुल कुल 29 सीटें हैं।

पीएम मोदी कल, जनजातिय गौरव दिवस के मौके पर सीमावर्ती रांची और खूंटी जिले में सभा करेंगे। इस दौरान वे देश भर के लिए 25 हजार करोड़ की ÷पीएम पीवीटीजी योजना÷ लांच कर रहे हैं।

क्या है पीएम पीवीटीजी योजना?

पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन कार्यक्रम का उद्देश्य कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। देश के 18 राज्यों के 220 जिलों के 22544 गांवों में 75 आदिम जाति के 28 लाख लोग रहते हैं।

मतदाताओं को रिझाने के लिए घोषणा-पत्र के बाद नई घोषणाओं का दौर

» बीजेपी ने किया केंद्र के समान वेतन-भत्ता का एलान

रायपुर,14 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में चुनावी समीकरण साधने के लिए कांग्रेस और भाजपा दोनों ही राजनीतिक दल घोषणा-पत्र जारी करने के बाद भी नई घोषणाएं करने में लगे हैं। भाजपा ने घोषणा-पत्र से अतिरिक्त राज्य के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान वेतन-भत्ता देने और पंचायतकर्मियों के नियमितीकरण की घोषणा की है।

कांग्रेस ने महिलाओं को 15 हजार रुपये सालाना देने का किया वादा

वहीं, कांग्रेस ने सभी महिलाओं को 15 हजार रुपये सालाना देने और रायगढ़ व कोरिया को नया संभाग बनाने की घोषणा की है। प्रदेश की शेष 70 सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है। 15 नवंबर को प्रचार थम जाएगा।

अभी और भी घोषणाओं की उम्मीद

ऐसे में संभव है कि दोनों ही राजनीतिक दल अभी और नई घोषणाएं कर सकते हैं। महतारी वंदन योजना का कांग्रेस ने निकाला तोड़महिला सशक्तीकरण के लिए भाजपा ने वादा किया है कि उनकी सरकार आते ही प्रदेश की 60 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं को हर वर्ष 12 हजार रुपये देगी।

इस पर भाजपा हर महीने 7,200 करोड़ रुपये खर्च करेगी। भाजपा इसे पूरे पांच साल चलाने का दावा कर रही है। इस घोषणा का तोड़ निकालने के लिए कांग्रेस ने भी दीपावली के मौके पर बड़ा दांव खेला है। घोषणा-पत्र की प्रमुख घोषणाओं के अलावा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एलान किया है कि अगर राज्य में कांग्रेस की सत्ता बरकरार रही तो छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना की शुरुआत की जाएगी।

इसके तहत महिलाओं के खाते में प्रतिवर्ष 15 हजार रुपये भेजे जाएंगे। कांग्रेस का दावा है कि सभी महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। प्रदेश में एक करोड़ दो लाख 39 हजार 410 महिला मतदाता हैं। अगर कांग्रेस सभी महिलाओं को इस योजना का लाभ देती है तो महीने में 1,535 करोड़ और सालाना 18,420 करोड़ रुपये का भार आएगा।

भाजपा ने की नया संभाग बनाने की घोषणा

छत्तीसगढ़ में भाजपा घोषणा पत्र समिति के संयोजक विजय बघेल ने कहा, पाटन में जामगांव आर को तहसील बनाने की बात की थी, अब संभाग बनाने की घोषणा कर रहे हैं। भाजपा के महतारी वंदन योजना की तर्ज पर गृह लक्ष्मी योजना लाए हैं, जोकि पूरा नहीं कर पाएंगे। घोषणा-पत्र जारी करने के बाद घोषणा करना भूपेश सरकार की हार की बौखलाहट है।

प्रियंका गांधी को कारण बताओ नोटिस

पीएम मोदी पर झूठी टिप्पणी करने का आरोप

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2023 (ए)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को नोटिस जारी किया है। प्रियंका गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा गया है। ये मामला पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी से जुड़ा है। आरोप है कि प्रियंका ने एक जनसभा के दौरान प्रियंका ने पीएम मोदी को लेकर झूठा बयान दिया था।

बीजेपी की शिकायत पर चुनाव आयोग का एक्शन

बीजेपी ने प्रियंका गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की थी। बीजेपी का आरोप है कि प्रियंका ने हाल ही में मध्य प्रदेश में एक जनसभा के दौरान पीएम पर असत्यापित और झूठी टिप्पणी की थी। बीजेपी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग ने प्रियंका से गुरुवार रात आठ बजे तक जवाब देने को कहा है।

प्रियंका के किस बयान पर हुई कार्रवाई?

बीजेपी ने अपनी शिकायत में कहा कि प्रियंका ने पीएम मोदी पर निराधार आरोप लगाया है। बीजेपी ने कहा कि प्रियंका ने अपनी रैली में कहा था कि मोदी सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) का निजीकरण कर दिया है। कांग्रेस नेता ने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बीएचईएल को अपने उद्योगपति दोस्तों को दे दिया है।

संपादकीय

केंद्रीय नियंत्रण के औजार ?

केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर राज्यपालों से अपेक्षित है कि राज्य में हो रही गतिविधियों से केंद्र को अवगत रखें तथा जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार को उचित परामर्श दें। लेकिन वे निर्वाचित सरकारों के कामकाज में व्यवधान डालने लगें, यह कतई अपेक्षित नहीं हैं।

एक महीने के भीतर केरल की सरकार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। जबकि केरल, तमिलनाडु और पंजाब सरकारों की तरफ अपने-अपने राज्यपालों के खिलाफ दायर मामले की सुनवाई अभी चल ही रही है। केरल की लेफ्ट फ्रंट सरकार की शिकायत है कि राज्यपाल विधानसभा से पारित विधेयकों पर अपना दस्तखत नहीं कर रहे हैं। ना ही वे विधेयकों को पुनर्विचार के ले विधानसभा को लौटा रहे हैं। ठीक यही शिकायत लेकर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार भी राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई है। तमिलनाडु में तो डीएमके सरकार और राज्य आरएन रवि के बीच टकराव के कई बिंदु हैं। वैसे यह कहानी सिर्फ इन तीन राज्यों की नहीं है। बल्कि कई ऐसे राज्यों में इसे लगभग इसी तरह दोहराया गया है, जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं है। इस रूप में देखा जाए, तो एक साफ पैटर्न उभरा है।

इसलिए विपक्षी दलों की इस शिकायत में दम है कि जिन राज्यों में भाजपा मतदाताओं के समर्थन से सत्ता में नहीं आ पाती, वहां केंद्र में स्थित उसकी सरकार राज्यपालों के जरिए आम प्रशासन को दूभर बनाने का काम करती है। इस तरह संघीय व्यवस्था एवं संवैधानिक भावनाओं का उल्लंघन हो रहा है। तीन राज्यों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसी हफ्ते जो टिप्पणियां कीं, उसका साफ संकेत है कि इस अवस्था से मानवीय न्यायाधीश भी व्यग्र हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे पहले की ऐसे मामले उस तक पहुंचे, राज्यपालों को इन्हें अपने स्तर पर ही निपटा लेना चाहिए। बेशक यह मामला पेचीदा और संवेदनशील है। संविधान के मुताबिक राज्यपाल राज्यों में केंद्र के प्रतिनिधि हैं और उनकी खास गरिमा होती है। केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर उनसे अपेक्षित है कि राज्य में हो रही गतिविधियों से केंद्र को अवगत रखें तथा जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार को उचित परामर्श दें। लेकिन वे निर्वाचित सरकारों के कामकाज में व्यवधान डालने लगें, यह कतई अपेक्षित नहीं हैं। यह सबको याद रखना चाहिए कि भारतीय व्यवस्था में राज्य एक संवैधानिक इकाई हैं- वे केंद्र के मातहत नहीं हैं।

नशे के खिलाफ जंग का आगाज हो

नशाखोरी के खिलाफ युद्ध का आगाज करके पहाड़ की शांत शबनम पर नशे का चिराग गुल करना होगा ताकि वीरभूमि की शिनाख्त वाले राज्य का रुतबा व शोहरत बरकरार रहे। देवभूमि की धरा नशाभूमि न बने। अपराध मुक्त समाज की कल्पना को हकीकत में बदलने के लिए नशाखोरी का नेटवर्क मरघट में तब्दील करना होगाज

'किसी देश का गौरव उसकी बुराइयां दूर करने से बढ़ता है, खूबियों का गुणगान करने से नहीं'। यह कथन इटली की सहाफत का इंकलाबी चेहरा रहे 'ज्युसेपे मेत्सिनी' का है। बुराई छोटी हो या बड़ी, विनाश की पटकथा जरूर लिखती है। वर्तमान में नशा सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ी बुराई बन चुका है। नशे के अजाब ने अभिभावकों की आवाज छीनकर उन्हें खामोश करके तन्हाई के अंधेरे में जीने को मजबूर कर दिया है। कोई भी राष्ट्र आलमी सतह पर सैन्य कूवत व आर्थिक महाशक्ति तथा खेल शक्ति बनने की सलाहियत अपने युवावेग के बल पर ही रखता है। लेकिन मुल्क के मुस्तकबिल युवाशक्ति के लब यदि नशे के तलबगार बन जाएं या युवा पीढ़ी नशाखोरी की जद में आकर नाफरमान होकर नशे की अंधेरी राहों में गुमराह हो जाए तो मंजिलें ख्वाब बनकर रह जाती हैं तथा राष्ट्र का उज्वल भविष्य जुल्मत के दौर में चला जाता है। देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश में नशे की दस्तक अचानक नहीं हुई है।

चिट्टे जैसे जानलेवा नशे ने कुछ वर्ष पूर्व सूबे की दहलीज को पार करके पहाड़ की जवानी को अपने चंगुल में फंसा लिया था। मौजूदा वक्त में नशे का जहरीला कारोबार शहरों से लेकर राज्य के गांव देहात तक फैल चुका है। नशीले पदार्थों की सुनामी से पहाड़ की नजाफत भरी फिजाएं भी दूषित हो रही हैं। किसी भी देश को अस्थिर करने में तथा उस मुल्क की युवा ताकत को बर्बादी के मुहाने पर पहुंचाने के लिए नशा बिना किसी बम बारूद के एक खामोश युद्ध के रूप में काम करता है।

भारतीय सेना में पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश की सैन्य शक्ति का शानदार इतिहास रहा है। किसी भी क्षेत्र में भारत का मुकाबला करने में असमर्थ पाकिस्तान के हुक्मरानों ने कुछ वर्ष पूर्व नशीले पदार्थों के जहरीले कारोबार को भारत के खिलाफ अपना अचूक हथियार बना लिया था। नतीजतन समंदर के रास्ते नशा बंदरगाहों पर पहुंचने लगा। सरहदों पर ड्रग्स की भारी खेप तस्करों के जरिए भारत के सरहदी राज्यों में पहुंचने लगी।

हिमाचल के पड़ोस में पांच दरियाओं वाले राज्य पंजाब में नशे के रूप में बह रहे छठे दरिया का असर देवभूमि में भी हो गया। 'केंद्रीय जांच ब्यूरो' ने एनसीबी व इंटरपोल के साथ मिलकर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन गरुड़' भी चलाया है। नशा विरोधी अभियान 'मिशन अगेंस्ट नारकोटिक्स सब्सडेंस एब्यूज' (मंशा) के तहत नशा न करने का पैगाम भी दिया जा रहा है, मगर देश के कुछ राज्य नशे के बड़े आपूर्तिकर्ता बन चुके हैं। किसी भी देश के भविष्य की मजबूत बुनियाद डॉक्टर, इंजीनियर व वैज्ञानिक तथा खेलों में देश का परचम फहराने वाली प्रतिभाएं शिक्षण संस्थानों से ही निकलती हैं। देश का बेहतर भविष्य तथा सभ्य समाज का वजूद युवा व शिक्षित वर्ग से तय होता है, मगर हालात इस कदर बेकाबू हो चुके हैं कि देश के उच्च शिक्षण संस्थान भी ड्रग माफिया के राडार पर आ चुके हैं।

-प्रताप सिंह पटियाल-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बिहार की राजनीति:ये क्या कह गए

बिहार में कुछ हो, न हो, राजनीतिक गतिविधियां, चर्चा, और कुछ नहीं तो हंगामा तो होता ही रहता है। देश के पांच प्रांतों में विधानसभाओं के चुनाव हो रहे हैं, लेकिन बिहार की राजनीतिक खबरों ने सबको पीछे छोड़ दिया। पूरा देश आज दिल थाम कर बिहार के समाचार पर केंद्रित है। वहां दो सदनों वाले विधानमंडल में शीतकालीन सत्र चल रहा था। इसी सत्र में जाति-सर्वेक्षण का आर्थिक पहलू प्रस्तुत किया गया और सरकारी सेवाओं में पहले से चले आ रहे आरक्षण को पंद्रह फीसद बढ़ा कर 75 फीसद कर दिया गया।

यह बिल सर्वसम्मत से स्वीकार लिया गया, लेकिन सत्तापक्ष के लिए दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि आरक्षण संबंधी यह बिल आमचर्चा में नहीं रहा, बल्कि इसकी जगह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दिए गए दो वक्तव्य इतने विवादित हो गए कि अनायास वह चर्चा के केंद्र में आ गए। इसे लेकर देशव्यापी हंगामा हुआ। तमाम चैनलों का आकषर्ण नीतीश कुमार के वे दो बयान हो गए जो दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति पर अमेरिका द्वारा जापान के दो नगरों पर गिराए गए एटम बम की तरह अप्रत्याशित थे। चूंकि नीतीश कुमार की छवि एक गंभीर और मर्यादित नेता की रही है इसलिए लोगों को आश्चर्य अधिक हुआ। हालांकि बिहार के लोग नीतीश कुमार के बिगड़े बोल से परिचित हो चुके हैं। उनकी जुबान पिछले कुछ वर्षो में कई बार फिसली है और वे कुछ की जगह कुछ और बोल जाते हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव प्रचार में भी कई बार वह अमर्यादित हुए, लेकिन लोगों ने समझा शायद यह वोटरों को चार्ज करने का उनका अपना तरीका हो। विधान सभा में वह तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी भड़क गए और कुछ ज्यादा बोल गए। हालांकि कुछ महीने बाद ही दोनों की दोस्ती हुई और बिहार के महागठबंधन में नीतीश शामिल हुए। इसी दौर में भाजपा के विरुद्ध एक राष्ट्रीय स्तर का प्रतिपक्ष गठन का संकल्प उन्होंने लिया और सार्थक पहल भी की। कुछ समय तक प्रधानमंत्री के भावी उम्मीदवार के तौर पर भी उनके समर्थक पेश करते रहे, लेकिन बस दो रोज में किसी और ने नहीं स्वयं नीतीश कुमार ने ही अपनी छवि तार-तार कर ली।

कोई सोच भी नहीं सकता था कि मुख्यमंत्री के आसन पर बैठा कोई नेता इस तरह की गलती कर सकता है। विधानसभा में उनका वक्तव्य वाकई चौंकाने वाला था। वह जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा की भूमिका बतला रहे थे, लेकिन वह ऐसे प्रसंगों को उठाने लगे, जो कहीं से मर्यादित नहीं थे। शिक्षित विवाहिताएं जनसंख्या नियंत्रण में भूमिका निभाती हैं। वह परिवार

नियोजन के महत्त्व को समझती हैं। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री यही कहना चाहते थे, लेकिन उन्होंने यौन क्रिया को समझाते हुए यौनांगों का इतने अश्लील और खुले रूप में चर्चा की कि विधानसभा में बैठी महिला सदस्य झेंप गई।

अमूमन ऐसी चर्चा मूर्ख से मूर्ख व्यक्ति भी सार्वजनिक तौर पर नहीं करता है। इतना ही नहीं कि गलती से उनके मुंह से बात निकल गई। वह उसी रोज विधानपरिषद में भी पहुंचे और वहां भी इस वक्तव्य को इसी रूप में दुहराया।

इसे लेकर जब देशव्यापी हंगामा हुआ और प्रधानमंत्री तक ने उनके इस आचरण की निंदा की तब अगले रोज उन्होंने सार्वजनिक तौर से मुआफी मांगी। कहा, मैं स्वयं अपनी निंदा करता हूं। एक मुख्यमंत्री को इतना विवश शायद ही कभी देखा गया हो, मगर अभी यह मामला थमा भी नहीं था कि उसी रोज मुख्यमंत्री ने विवाद का दूसरा मोर्चा खोल दिया। आरक्षण बिल पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी बोल रहे थे। मांझी के वक्तव्य में नीतीश कुमार या उनके दल का कोई उल्लेख भी नहीं था। उनका वक्तव्य चल ही रहा था कि बिना अध्यक्ष की अनुमति के अचानक से मुख्यमंत्री उठ खड़े हुए और पूरे गुस्से के साथ मांझी को तुम-तड़ाक करने लगे। पूरा वक्तव्य उद्धृत करने लायक नहीं है, लेकिन इसने बिहार का राजनीतिक पारा बढ़ा दिया। मांझी दलित तबके के सबसे निचली कतार से आते हैं, जिनकी न केवल उम्र बल्कि संसदीय राजनीतिक जीवन भी नीतीश से अधिक है। मुसहर समाज से आने वाले वह सक्षम राजनेता हैं, जो पहली दफा जब मंत्री बने थे, तब नीतीश कुमार का संसदीय जीवन शुरू भी नहीं हुआ था।

ऐसे बुजुर्ग नेता को तुम-तड़क करके नीतीश कुमार ने अपनी ही मर्यादा तार-तार की है, ऐसा कहा जा रहा है। बिहार में दलितों की आबादी पूरी आबादी का बीस फीसद है। नीतीश कुमार पर पहले से दलित विरोधी होने का कलंक लगा हुआ है। बिहार के दलित नेताओं यथा रामविलास पासवान, छेदी पासवान और जीतनराम मांझी को एक-एक कर अपमानित करने के इन पर आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में जीतनराम के लिए भरी विधानसभा में उनका तुम-तड़ाक करना भारी पड़ सकता है। इसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

पहले दिन स्त्री जाति के लिए अमर्यादित जुबान का प्रयोग और अगले रोज एक बुजुर्ग दलित राजनेता की हुई तौहीन ने नीतीश कुमार की राजनीति के लिए एकबारगी संकट ला दिया है। राजद नेता और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक बार मुख्यमंत्री का पक्ष जरूर लिया, लेकिन उसके बाद वह चुप लगा गए। नीतीश कुमार की अपनी पार्टी के नेता मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जिस मामले में अपनी निंदा स्वयं कर के सार्वजनिक तौर पर मुआफी मांगी है,उस पर भी कुछ नेता थेथरई वाली दलील पेश कर रहे हैं।

ताज्जुब तो यह कि कुछ लोग इसे कामशास्त्र की शिक्षा बता रहे हैं, मानो विधानसभा कोई पाठशाला हो और नीतीश कामशास्त्र के प्रशिक्षित शिक्षक हों। तमाम स्थितियों के अध्ययन से यही बात स्पष्ट होती है कि नीतीश मानसिक तौर पर रु ग्ण हैं। इस रूप में वह दया के पात्र हैं। परिस्थितियां ऐसी है कि दलों में आंतरिक जनतंत्र रह नहीं गया है। नेताओं ने अपने अपने दलों को कार्यकर्ताओं की जगह चापलूसों से भर रखा है। अस्वस्थ-बीमार मुख्यमंत्री को भी लोग अपने स्वार्थ में बिजूके की तरह इस्तेमाल करते रहेंगे। ऐसे में राजनीति का नफा-नुकसान किसे होगा, अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है।

-प्रेम कुमार मणि-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भ्रष्टाचार के मुद्दे से भरोसा उठा

आजाद भारत में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ता बदलती रही है। सबको याद होगा कि कैसे बोफोर्स घोटाले की चर्चा से राजीव गांधी की चार सौ से ज्यादा लोकसभा सीट वाली कांग्रेस हारी थी और 2जी, कोयला आदि के घोटालों की चर्चा से मनमोहन सिंह की सरकार सत्ता से बाहर हुई थी। 1996 में भी पीवी नरसिंह राव की सरकार के जाने के पीछे एक कारण सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी थे। अरविंद केजरीवाल का एक परिघटना के रूप में उभरना भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लोगों की नाराजगी का सबसे बड़ा सबूत है। लेकिन दुर्भाग्य से अरविंद केजरीवाल की वजह से ही भ्रष्टाचार के मुद्दे से लोगों का भरोसा उठा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार भी कम जिम्मेदार नहीं है लेकिन मोदी के मुकाबले केजरीवाल ने ईमानदार राजनीति का ज्यादा प्रचार किया था और जब लोगों ने देखा कि उनके जीवन में इससे कोई बदलाव नहीं आया और केजरीवाल भी वैसी ही राजनीति करते रहे, जिसे बदलने का दावा करके वे आए थे तो लोगों का भारी मोहभंग हुआ। ऐसा नहीं है कि यह मोहभंग हमेशा के लिए है। हो सकता है कि कुछ समय के बाद फिर कोई मसीहा निकले और भ्रष्टाचार के मसले पर लोगों को जागरूक करे लेकिन फिलहाल इसकी संभावना नहीं दिख रही है।

सवाल है केजरीवाल ने ऐसा क्या किया, जिससे लोगों का भ्रष्टाचार के मुद्दे से भरोसा उठ गया? इस सवाल के जवाब में कई काम गिनाए जा सकते हैं। पहला, केजरीवाल ने दिल्ली में सरकार बनने के बाद ऐलान किया था कि भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। उन्होंने अपनी तरफ से तो कोई पहल नहीं की उलटे आम लोगों से कहा कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है तो उसकी वीडियो बना लें और उसे सरकार को भेजें। इसके लिए व्हाट्सऐप के नंबर भी जारी किए गए। सोचें, यह कितनी अव्यावहारिक बात है? क्या यह संभव है कि कोई मोबाइल चला कर वीडियो बनाए और कर्मचारी उससे रिश्वत मांगे? ऐसा तो तभी हो सकता था, जब आम नागरिक स्टिंग जर्नलिस्ट बन जाए! इसके बावजूद सवाल है कि केजरीवाल सरकार की इस बेहद अव्यावहारिक और बचकानी योजना का क्या हुआ? इसमें कितने लोगों ने वीडियो या ऑडियो रिकॉर्ड करके सरकारी कर्मचारियों की शिकायत की और उसमें कितने लोगों पर कार्रवाई हुई? इसका कोई आंकड़ा सरकार जारी नहीं करती है। अब वह योजना चल रही है या बंद हो गई इसके बारे में भी किसी को जानकारी नहीं है।

दूसरा, केजरीवाल की पहली सरकार से उनके विधायकों और मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे थे। सबसे पहला शिकार जितेंद्र तोमर हुए थे, जिनकी फर्जी कानून की डिग्री पकड़ी गई थी। सोचें, आज केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री देखने के लिए इस अदालत से उस अदालत तक भाग रहे हैं, लेकिन उन्होंने खुद ही एक फर्जी कानून की डिग्री वाले नेता को कानून मंत्री बनाया था। हैरानी की बात है कि वे अब भी आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। यानी उनको बाद में भी टिकट दी गई।

तीसरा, अरविंद केजरीवाल को पहली बार 2018 में राज्यसभा सदस्य बनाने का मौका मिला तो उन्होंने दिल्ली की तीन सीटों में से

दो सीटों पर दो बिल्कुल अनजान कारोबारियों को टिकट दे दी। संजय सिंह पार्टी के नेता थे तो उनको राज्यसभा भेजा गया। लेकिन किसी को केजरीवाल ने यह बताना जरूरी नहीं समझा कि एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को किस योग्यता के आधार पर राज्यसभा में भेजा गया? इससे अपने आप यह मैसेज बना कि जिस तरह से दूसरी पार्टियां किसी फायदे के लिए कारोबारियों को राज्यसभा भेजती हैं वैसे ही केजरीवाल ने भी किया है। दूसरी बार उनको 2022 में पंजाब से सात राज्यसभा सांसद बनाने का मौका मिला तो उन्होंने पार्टी के नेता राघव चड्ढा के अलावा बाकी छह सीटों पर इधर उधर के कारोबारी, खिलाड़ी आदि भर दिए। लोग इतने मूर्ख नहीं हैं कि उनको नहीं पता है कि हजारों करोड़ रुपए का कारोबार करने वालों को आपने किस वजह से राज्यसभा में भेजा है।

चौथा, केजरीवाल ने अपनी राजनीति के शुरुआती दिनों में देश के भ्रष्ट नेताओं की एक सूची बनाई थी। शरद पवार से लेकर लालू प्रसाद और मुलायम सिंह यादव तक के उसमें नाम थे। एक बार तो प्रेस कांफ्रेंस करके उन्होंने 28 नेताओं की एक सूची जारी की थी। बाद में सबने देखा कि कैसे वे इन्हीं नेताओं के साथ मंच साझा करने लगे या अपने राजनीतिक फायदे के लिए इनके दरवाजे पर चक्कर काटने लगे। उन्होंने कई दिवंगत अरुण जेटली से लेकर नितिन गडकरी तक पर अनेक आरोप लगाए और बाद में माफी मांगी। इन सबसे भी वैकल्पिक राजनीति से लोगों का भ्रम टूटा।

पांचवां, केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेताओं ने संकल्प जताया था कि उनकी सरकार बनेगी तो वे बड़ा बंगला नहीं लेंगे, सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे और सुरक्षा नहीं लेंगे यानी वीआईपी कल्चर नहीं अपनाएंगे। लेकिन पिछले करीब नौ साल में इसकी पोल खुल गई है। केजरीवाल ने कई बंगले मिला कर अपने लिए एक बंगला बनवाया, जिसकी रेनोवेशन पर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए। मीडिया की खबरों के मुताबिक उनके छह लोगों के परिवार के लिए 28 लोगों का स्टाफ काम करता है और वे कई गाड़ियों के काफिले से चलते हैं। उनके लिए भी रूट लगता है और ट्रैफिक रोका जाता है। उनकी पार्टी के कई राघव चड्ढा जैसे युवा नेता भी जेड सुरक्षा घेरे में घूमते हैं और पंडारा रोड के टाइप सात के बंगले के लिए ऐसे कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं कि अगर वह बंगला नहीं मिला तो जीवन व्यर्थ जाएगा। केजरीवाल के सारे नेता बड़े बंगलों में रहते हैं और बड़ी गाड़ियों के काफिले लेकर चलते हैं।

छठा, दिल्ली में फरवरी 2015 से केजरीवाल की पूर्ण बहुमत की सरकार है और पिछले एक साल से दिल्ली नगर निगम पर भी उनका कब्जा है। इसके बावजूद दिल्ली सरकार या एमसीडी का रिश्वत के मामले में क्या रिकार्ड है इसे नागरिक जानते है। सड़कों पर कूड़ा पड़ा है। नालियां जाम हैं और सबने देखा कि कैसे बाढ़ और बारिश का पानी दिल्ली की गलियों और लोगों के घरों तक पहुंचा। अभी पूरी दिल्ली गैस चैम्बर बनी है। हवा जहरीली हो गई है। केजरीवाल ने पंजाब में सरकार बनने पर पराली जलाने से रोकने और दिल्ली के लोगों को राहत देने का वादा किया था। लेकिन न तो पराली जलना बंद हुआ और न दिल्ली में प्रदूषण कम करने का कोई उपाय हुआ।

सातवां, एक के बाद घोटाले खुले हैं। केजरीवाल हर मामले के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। पंजाब में कई विधायक और मंत्री राज्य की एजेंसियों द्वारा रिश्वत के आरोप में पकड़े गए हैं। हवाला के आरोप में दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन महीनों जेल में रहे तो शराब नीति घोटाले के आरोप में उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदया आठ महीने से ज्यादा समय से जेल में हैं। उसी आरोप में राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल में हैं। इस तरह की सूची बहुत लम्बी हो जाएगी। लेकिन इन सबका कुल जमा निचोड़ यह है कि जनता का मोहभंग हुआ। उसको लगा कि सब एक जैसे हैं और यही कारण है कि आज ईमानदारी की राजनीति का कहीं कोई मतलब नहीं रह गया है। चुनाव में नेता भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं और जीतने के बाद उसे भूल जा रहे हैं। कर्नाटक में 40 फीसदी कमीशन का आरोप भाजपा सरकार पर कांग्रेस ने लगाया था लेकिन सरकार में आने के बाद उसने किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। तभी अब पार्टियां जातीय समीकरण या जाति गणना, आरक्षण और मुफ्त की रेवड़ियों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

-हरिशंकर व्यास-

वो लाल गुलाब

आज के बच्चे कल का भविष्य है। हंसता हुआ, मुस्कुराता हुआ भोला भाला बच्चों का

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

चेहरा किसे पसंद नहीं होगा? बच्चों के साथ समय बिताकर, खेल कर और छोटे बच्चों को उठाकर सब तनाव दूर हो जाता है और मन में शांति मिलती है। इसी बात को लेकर हमारे देश में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस या फिर चिल्ड्रेन डे मनाया जाता है। इस दिन बाल दिवस मनाने का मुख्य कारण स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होना भी है। नेहरू जी के जन्मदिन को ही.. बाल दिवस ... के तौर पर मनाया जाता है। हम भी अच्छी तरह जानते हैं कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू जी को देश से संबंधित कितनी कठिनाइयों तथा समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा। गरीब जनता का कल्याण, देश का विकास, विदेशी नीति, देश की सुरक्षा, कांग्रेस के अलावा अन्य दलों के साथ संबंध, देश विभाजन के फल स्वरुप उत्पन्न समस्याएं आदि ने नेहरू जी के दिमाग के ऊपर दबाव डाला होगा। इस दबाव या तनाव से बचने के लिए उन्होंने अपने जन्मदिन को... बाल दिवस.. के तौर पर मनाने का फैसला किया। उन्हें बच्चों के साथ अधिकतम समय बिताना बहुत अच्छा लगता था। बच्चों में उन्हें देश का भविष्य नजर आता था। बच्चे भी नेहरू जी को लाड प्यार से... चाचा नेहरू.. कह कर पुकारते थे! वह बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार, अच्छी खेलकूद तथा भाग दौड़ की सुविधा तथा अच्छी सोच देना चाहते थे। सबसे पहले 1954 में 14 नवंबर वाले दिन... बाल दिवस.. मनाया गया। उसके बाद हर साल हमारे देश में बाल दिवस मनाया जाता है। जब नेहरू जी जीवित थे तब जगह-जगह... चिल्ड्रन पार्क.. बनवाए गए। खेलने के लिए उन पार्कों में बहुत सारी सुविधाएं रखी गईं। शिक्षा संस्थानों में बौद्धिक विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे। गरीब बच्चों की हर प्रकार से सहायता की जाती थी। आजकल भी पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि स्वरुप देश में हर साल 14 नवंबर को.. बाल दिवस... अथवा चिल्ड्रन डे.. मनाया जाता है। नेहरू जी बच्चों की तुलना लाल गुलाब से करते थे। उनका कहना था जिस तरह सब फूलों में लाल गुलाब ही सबसे ज्यादा सुंदर और मन खुश करने वाला होता है इस तरह हम मनुष्यों में भी बच्चे गुलाब की तरह सुंदर और खुश करने वाले होते हैं। नेहरू जी बच्चों के साथ समय बिताकर खुश होते थे और उनका तनाव तथा दिमाग का बोझ छूमंतर हो जाता था। पंडित नेहरू हमेशा चूड़ीदार पजामा तथा सफेद अचकन पहनते थे और अचकन की जेब के ऊपर लाल गुलाब लगाते थे। इस लाल गुलाब के कारण उन्हें ऐसा लगता था जैसे बच्चे उनके साथ हो और वह प्रसन्नचित रहने की कोशिश करते थे। उनका कहना था कि मासूम बच्चे मन के सच्चे होते हैं। अगर यह संस्कारी होंगे, बहादुर होंगे, शिक्षित तथा प्रशिक्षित होंगे, कोमल हृदय वाले होंगे तब बड़े होने पर उनके हाथों में देश का भविष्य सुरक्षित होगा।

लेकिन अफसोस की बात यह है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू की तरह किसी और राजनेता ने बच्चों के साथ उतना प्रेम नहीं दिखाया, उनके कल्याण के बारे में नहीं सोचा। तभी तो आज के बच्चे पंडित नेहरू के सपनों के बच्चों की तरह नहीं है। आज के बच्चों के ऊपर पढ़ाई का बहुत ज्यादा बोझ है। उनका बस्ता उनके अपने वजन से भी ज्यादा भारी है। पढ़ाई का पाठ्यक्रम ऐसा है जिसके अनुसार उनका सारा समय स्कूल के बाद होमवर्क करने तथा ट्यूशन पर जाने में ही बीत जाता है। आज के बच्चे अपना समय मोबाइल पर लगाकर अपनी आंखें खराब करते हैं और उन्हें समय से पहले बहुत सारी बातें पता चल जाती हैं जिससे वह जल्दी मैच्योर हो जाते हैं। मोबाइल पर ही वह इंडोर गेम खेलते हैं। फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, भाग दौड़ करना, गुल्ली डंडा खेलने, कंचे खेलना आदि आउटडोर गेम के बारे में उनको कुछ भी पता नहीं। उनका ज्ञान किताबी ज्ञान तक ही सीमित है। उन्हें देश के स्वतंत्रता सेनानी, आध्यात्मिक पुरुषों, अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में पदक लाने वालों आदि का बिल्कुल पता नहीं। अधिकांश बच्चे अपने देश के इतिहास के बारे में नहीं जानते। पढ़ाई तथा मोबाइल पर ज्यादा ध्यान देने के कारण तथा कुपोषण के कारण बहुत सारे बच्चों को चश्मे लगे हुए हैं। जो बच्चों की आजकल शोचनीय स्थित है वैसी पंडित नेहरू ने कभी कल्पना नहीं की थी। यूँ औपचारिकता के तौर पर हमारे देश में हर साल पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि स्वरुप... बाल दिवस... तो जरूर मनाया जाता है परंतु बाल दिवस की भावना तथा उद्देश्य कहीं नजर नहीं आते। अधिकांश बच्चों के चेहरे उदास, तनाव ग्रस्त, गुस्सेवाले तथा निराश दिखाई देते हैं। अधिकांश बच्चे प्राइवेट पब्लिक स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से ही शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन्हें हिंदी की बहुत सारी बातें समझ में नहीं आती। यह भारतीय संस्कृति तथा सभ्यता का अपमान है। बाल दिवस तो साल में एक बार मनाया जाता है परंतु हमें अपने बच्चों को संस्कारी, आज्ञाकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले, मां-बाप तथा बड़ों की इज्जत करने वाले, संयमी, कठिन परिश्रम करने वाले, देश भक्तों के बारे में जानने वाले, देश की संस्कृति को जानने वाले तथा ईमानदार बनाने की कोशिश करनी चाहिए। तभी ही सच्चे अर्थों में... बाल दिवस.. मनाना सार्थक होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चलो चुनाव कराते हैं

गलती की कोई गुंजाइश नहीं,
खुद की कोई ख्वाहिश नहीं,
पता नहीं कहां कितनी दूर जाते हैं,
चलो चुनाव कराते हैं,
प्रत्यक्ष शिक्षण,
कड़ा प्रशिक्षण,
कान लगाकर सुनना,
ध्यान लगाकर सुनना,
खत्म प्रशिक्षण भोर में आओ,
बोरी बिस्तर साथ में लाओ,
सामान उठाओ,
चेकलिस्ट मिलाओ,
फिर वाहन में बैठो,
जरा न ऐंठो,
शहर या जंगल में जाओ,
मताधिकार केंद्र को खुद सजाओ,
कुछ मिल गया तो जल्दी खाओ,
वर्ना भूखे ही सो जाओ,
सुबह उठो मॉक पोल दिखाओ,
दिनभर फिर चुनाव कराओ,
ना लो झपकी ना ही लेटो,
जल्दी से सामान समेटो,
गाड़ी में बैठो वापस आओ,
सारा सामान अब जमा कराओ,
न हुई दुर्घटना खुशी मानते हैं,
चलो चुनाव कराते हैं।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़ छत्तीसगढ़.

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भाई दूज : भाई-बहन का स्नेह

आना मेरे घर में तुम भैया, आपको निमंत्रण देती हूँ।
आकर प्रीति भोज खाना, पकवान बनाकर रखी हूँ।।
जल्दी आना, देर मत करना, मैं राह तुम्हारे देखूँगी।
मेरे भैया आ रहे हैं, अपनी सखी-सहेलियों से कहूँगी।।
शुभ आसन पर बिठाकर, रोली से तिलक लगाऊँगी।
बाँधकर हाथ में मौली, लंबी उम्र की कामना करूँगी।।
मंगलमय होगा, सुख आएगा, सारी इच्छाएँ पूरी होंगी।
यमराज का भय नहीं रहेगा, जीवन में समृद्धि मिलेगी।।
यह भाई-बहन का त्यौहार, स्नेह का बंधन है अटूट।
आतिथ्य स्वीकार करो, भक्ति और आदर है अद्भुत।।
उपवास रहूँगी सुबह से, तोड़ूँगी आप आओगे तभी।
रक्षा करने दौड़े चले आना, दुःख में पुकारूँगी कभी।।

अशोक कुमार यादव
मुंगेली, छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सब ठीक हो जाएगा

आज अंधेरा है तो क्या हुआ,
यह वक्त भी बीत जाएगा,
कल का सूरज नई रोशनी लेकर
आएगा,तू सब्र रख ,
सब ठीक हो जाएगा।
जीवन में समस्याएं आएगी,
उन समस्याओं से घबराना मत,
बुरे दिन भी गुजर जाएगा,
तू आशा और विश्वास रख ,
सब ठीक हो जाएगा।
राह चाहे कितना भी कठिन हो,
उन कठिन राहो पर चलते रहना,
चलने से ही मंजिल मिलेगा,
तू हिम्मत रख ,सब ठीक हो जाएगा।
जीवन में कोई भी चीज
आसानी से नहीं मिलेगा,
कड़ी मेहनत और
संघर्ष करना पड़ेगा,
एक दिन तेरा मेहनत भी रंग
लाएगा,तू हौसला रख ,
सब ठीक हो जाएगा।
परिस्थितियों कैसी भी हो,
उन परिस्थितियों का सामना कर,
एक दिन परिस्थितियां भी बदल
जाएगा,तू घबरा मत ,
सब ठीक हो जाएगा।

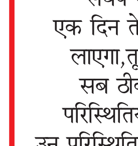

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद (छत्तीसगढ़.)

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्या इस बार सीतापुर में पिता-पुत्र पैराशूट कार्यकर्ताओं के दम पर जीतेंगे चुनाव ?

» क्या पूरे 5 साल सीतापुर विधानसभा के लिए पिता-पुत्र दोनों मंत्री थे ?

» सीतापुर छोड़ अंबिकापुर में अपनी पकड़ बनाने के चक्कर में सीतापुर वालों को ही मंत्री जी कर गए नाराज...

» तीन बार के विधायक एवं एक बार के मंत्री अमरजीत भगत पर नवयुवक रामकुमार टोप्पो पड़ रहा है भारी

» टीएस सिंहदेव से अपना कद ऊपर करने की फिराक में क्या सीतापुर विधायक व खाद्य मंत्री अपने ही विधानसभा में घिर गए...

» अपने क्षेत्र के नाराज लोगों को मनाने के बजाय पिता-पुत्र मीडिया मैनेज करके चुनाव जीतने के फिराक में

- भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का विधानसभा क्रमांक 11 सीतापुर जहां पर चार बार के विधायक व एक बार के मंत्री अपने विधानसभा में इस बार जीत के लिए जूझते दिख रहे हैं...अपने ही सत्ता के 5 साल के कार्यकाल में उन्होंने अपने लिए ही मुसीबत खड़ी कर ली है, इस 5 साल में पिता-पुत्र दोनों विधानसभा के लिए मंत्री बने हुए थे जिससे लोगों के लिए परेशानी का सबब बना रहा...मंत्री बनते ही अमरजीत भगत सरगुजा के टी.एस.सिंहदेव से अपनी प्रतिस्पर्धा शुरू कर दी थी और उन्हें नीचा दिखाने के लिए उनके विधानसभा के लोगों पर ज्यादा ही प्यार लुटा रहे थे...अपने क्षेत्र को छोड़कर अंबिकापुर क्षेत्र के लोगों को अपना हितैषी मान बैठे थे जो इस समय उन्हें के विधानसभा के लिए मुसीबत बने हुए हैं...बताया जा रहा है कि उनके विधानसभा के कार्यकर्ता उनके पास नहीं है दूसरे विधानसभा के कार्यकर्ताओं के भरोसे हुए चुनाव मैदान में लड़ रहे हैं। 5 साल इन्होंने महाराज सरगुजा के साथ प्रतिस्पर्धा की आज उसीका खामियाजा है कि अपने विधानसभा में उनका नवयुवक भाजपा प्रत्याशी से मुकाबला कर रहे हैं और यह मुकाबला बराबरी पर है...हो सकता है कि नवयुवक प्रत्याशी इन्हें हार का मजा ना चखा दें...इस दहशत में भी वह देखे जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के पश्चात् दिग्गज कद्दावर नेताओं की सूची में अपना नाम दर्ज करवाने वाले विधायक अमरजीत भगत के पांचवी बार विधानसभा चुनाव जितने की संभावना अत्यंत कमजोर स्थिति में नजर आती दिख रही हैं ऐसा आम जनमानस के द्वारा अमरजीत भगत का लागातार विरोध करने के कारण माना जा सकता हैं। जिस हिसाब से सीतापुर विधानसभा में अमरजीत भगत की मुश्किल बढ़ाने के लिए भाजपा के पास कोई उम्मीदवार नहीं दिख रहा था ठीक उसी समय भाजपा पार्टी के सामने उनकी डूबती नैया को पार लगाने वाले की तलाश राम कुमार टोप्पो के माध्यम से समाप्त हुई। उल्लेखनीय है कि सीतापुर विधानसभा में अमरजीत भगत का विरोध लगातार आम जनता के द्वारा किया जा रहा था ठीक उसी बीच सीतापुर विधानसभा में जीत दर्ज करवाने के लिए वहाँ की आमजनमानस ने ही अपना उम्मीदवार खोज लिया जिस मौके को भुनाने में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी...आम जानता के रुझान और अमरजीत भगत के बढ़ते विरोध को भापते हुए भाजपा ने आव देखा ना ताव तत्काल फौज की नौकरी को छोड़ कर आने की आग्रह जो वहाँ की आम जनता के द्वारा रामकुमार टोप्पो से लगातार किया जा रहा था उस आग्रह को मानते हुए रामकुमार टोप्पो अपने लोगों की बात को मानते हुए चुनाव लड़ने का मन बना लिया। राम कुमार टोप्पो ने अपनी फौज की नौकरी को छोड़ने का फैसला आम जानता के हित के लिए बना डाला...जिसका सीधा-सीधा फायदा उठाने के लिए भाजपा तैयार बैठी थी और तत्काल आम जनता की आवाज़ एवं ताकत के रूप में उभरने वाले राम कुमार टोप्पो को भाजपा ने प्रत्यासी बना दिया।

भाजपा के रामकुमार टोप्पो ने कांग्रेस के दिग्गज विधायक एवं मंत्री अमरजीत भगत की मुश्किले बढ़ाई

भाजपा के द्वारा रामकुमार टोप्पो को सीतापुर विधानसभा में प्रत्यासी बनाये जाने से कांग्रेस के दिग्गज विधायक एवं मंत्री अमरजीत भगत की काफ़ी मुस्किले बढ़ती नज़र आने लगी,मिली जानकारी के अनुसार सीतापुर विधानसभा विधायक एवं खाद्य मंत्री के विरुद्ध मैदान में रामकुमार टोप्पो के होने से उनसे प्रभावित होकर कई अन्य समाज को लोग उनके समर्थन में भाजपा में शामिल हो रहे हैं जिससे कांग्रेस पार्टी के साथ साथ कद्दावर मंत्री अमरजीत भगत की मुश्किले लागातार बढ़ती दिख रही हैं, जिसके पश्चात लागातार चार बार के विधायक एवं मंत्री अमरजीत भगत की परेशानी बढ़ती जा रही हैं और उन्हें अपने ही विधानसभा में जहाँ सिर्फ अपने नाम से जीत दर्ज करवा लेते थे उस विधानसभा में पूरा कुनबा जीत हासिल करने के लिए एड़ी चोटी एक करने में लगा हुआ हैं।

अमरजीत भगत एवं उनके परिजनों का सीतापुर विधानसभा में लगातार विरोध देखने को मिल रहा हैं

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरजीत भगत एवं उनके परिजनों का सीतापुर विधानसभा में लगातार विरोध देखने को मिल रहा हैं जिसके बाद से ऐसा मना जा सकता हैं की राजनीति में अपना पहला कदम रखने वाले भाजपा प्रत्यासी राम कुमार टोप्पो ने अमरजीत भगत की नीव एवं कुर्सी में भूचाल ला दिया हैं जिसके कम्पन से मंत्री अमरजीत भगत के चेहरे की रंगत उड़ती एवं कुर्सी खिसकती दिख रही हैं।

भाजपा प्रत्यासी रामकुमार टोप्पो की लोकप्रियता आम जनता के सामने बढ़ने से अमरजीत भगत हैं परेशान

राजनतिक जानकारों की मानें तो सीतापुर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी से विधायक एवं मंत्री अमरजीत भगत जमीनी स्तर को छोड़ आम जनता के जरूरतों एवं परेशानियों से मुँह मोड़ लिये थे जिसकी वजह से विधानसभा सीतापुर में मंत्री ज़ी का तगड़ा विरोध हो रहा हैं जिसका फायदा नए नवेले नेता रामकुमार टोप्पो को मिलना तय माना जा सकता हैं क्योंकि दिग्गज मंत्री को जितवाने के लिए मंत्री ज़ी के पुरे परिजनों ने एड़ी चोटी एक कर दी हैं उसके बाद भी भाजपा प्रत्यासी रामकुमार टोप्पो की लोकप्रियता आम जनता के सामने बढ़ती जा रही हैं।

क्या मंत्री अमरजीत भगत की दबंगई एवं रसूख वाली छवि ने बढाई मुसीबत ?

मंत्री अमरजीत भगत की दबंगई एवं रसूख की बात की जाये तो मंत्री महोदय के दबंगई के सामने चुनाव आयोग भी शून्य होता दिख रहा हैं ऐसा माना जा सकता हैं क्योंकि अमरजीत भगत के नाम वाले सैकड़ो खेल सामग्री,जूते,साड़ी, झोला,झोला के साथ कई अन्य सामग्री पकड़ी गई परन्तु मंत्री महोदय को मात्र खानापूर्ति के नाम पर निर्वाचन ने सिर्फ नोटिश जारी कर दिया जबकि पकड़े गए सामग्रीयों में अमरजीत भगत का नाम अंकित था। जिसमें उचित कार्यवाही नहीं करने के कारण विधानसभा के आमजनमानस के बीच नाराजगी देखी जा रही है।

कांग्रेस ने पंचायत और नगरीय निकाय में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया

- संवाददाता -
सूरजपुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा है कांग्रेस हमेशा से महिला सशक्तिकरण की पक्षधर रही है। कांग्रेस ने पंचायत और नगरीय निकाय में महिलाओ को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया अब उन्हें आर्थिक रूप से भी सबल बनाने की दिशा में काम कर रहे है।

सूरजपुर के तिलसिवा में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने स्व सहायता समूह की महिलाओ का कर्जा माफ किया इस बार फिर से कर्ज माफी का वायदा किया है।गैस सिलेंडर की रिफिलिंग पर सब्सिडी का पांच सौ रुपये घर की महिलाओ के खाते में मिलेगा।परिवार की हर बालिग महिलाओं को गृह लक्ष्मी योजना के तहत 1250 रुपये प्रतिमाह मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले बार हमने किसानों का कर्ज माफ किया इस बार भी करेंगे।लोगो को मांगने की जरूरत नहीं पडेगी हम पहले ही उनकी मांग पूरा करने का प्रयास करेंगे। जनता का भरोसा कांग्रेस सरकार पर है। हम जो कहते है उससे ज्यादा करते हैं 25 सौ में धन खरीदने का वादा किया था 2640 में खरीद रहे है। हमने प्रधानमंत्री की तरह हर खाते में 15-15लाख देने,हर साल दो करोड़ रोजगार का वादा नहीं किया है। जो भी हमारे घोषणा पत्र में लिखा गया है उनके लिए पैसे की व्यवस्था भी बनाई गई है। उन्होंने कहा प्रदेश में कांग्रेस की लहर है।दो तिहाई से ज्यादा सीट जीतकर सरकार बनाएंगे।कार्यक्रम में डा प्रेम साय सिंह भगवती राजवाड़े ब्लॉक अध्यक्ष अश्विनी सिंह,नगरपालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल,संजय दोषी ब्लॉक अध्यक्ष शहर,पूर्व नपा अध्यक्ष लाल चंद अग्रवाल, राम कृष्ण ओझा दिसी स्वाई कुलदीप बिहारी महबूल हसन मनोज डालमिया सुनील अग्रवाल जफर हैदर संतोष पावले अजय अग्रवाल मनोज अग्रवाल पिंटू मिस्टर हुसैन शांतु दोषी विष्णु कसेरा दीपक कर रिंकू सिंह आकाश साहू नदीम खान उपस्थित थे।

चित्रगुप्त पूजा के पूर्व गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कायस्थ समाज द्वारा चित्रगुप्त पूजा की पूर्व संध्या पर सोमवार को नगर में शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के अलावा समाज के काफी लोग शामिल हुए। शोभायात्रा चित्रगुप्त मंदिर गुदरी बाजार से निकलकर गुरुनानक चौक, महामाया चौक, देवीगंज रोड, घड़ी चौक से जोड़ा पीपल होते पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान जगह-जगह विभिन्न संगठनों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में कायस्थ समाज के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष अरविंद कुमार सिन्हा, जेपी श्रीवास्तव, के अलावा समाज के काफी लोग शामिल हुए। 15 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद वरिष्ठजनों को सम्मानित किया जाएगा।

मतदान दिवस और मतदान के एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का कराना होगा पूर्व प्रमाणीकरण

मतदाताओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापनों पर होगी रोक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निर्वाचन-2023 में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ ही प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के संबंध में व्यापक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत मतदान दिवस और उसके एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी परिपत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन के लिए दूसरे चरण के मतदान के एक दिन पहले एवं मतदान दिवस यानि 16 नवम्बर और 17 नवंबर को प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व जिला अथवा राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति से विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति को प्रमाणन हेतु प्राप्त आवेदन पर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान तिथि को प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन के बाद वे दल अथवा प्रत्याशी जो इससे प्रभावित होते हैं, उनके पास किसी भी प्रकार की सफाई अथवा खंडन का अवसर नहीं होता। ऐसे में स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन जरूरी है।

प्रधान आरक्षक पर भालू ने किया हमला,गंभीर हालत में रायपुर रेफर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

गश्त के बाद देर रात बुलेट से थाना लौट रहे प्रधान आरक्षक पर एक भालू ने हमला कर दिया। अपनी जान बचाने पुलिसकर्मी ने भालू से करीब 5 मिनट तक संघर्ष किया। चेहरे पर मुक्का पड़ते ही भालू वहां से भाग निकला। हमले में गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी खुद बुलेट चलाकर अस्पताल पहुंचा। पुलिसकर्मी की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे रायपुर रेफर कर दिया है।

उदयपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक रविश लकड़ा पर सोमवार की रात एक भालू ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दरअसल प्रधान आरक्षक रात 12 बजे गश्त करने के बाद बुलेट से उदयपुर थाना लौट रहा था। वह अंबिकापुर-बिलासपुर एनएच-130 पर उदयपुर से लगे फ्लाइ ऐश ईंट-भट्ठे के सामने बरगद के पेड़ के पास लघुशंका करने लगा। इसी बीच जंगल से निकले भालू ने अचानक उसपर हमला कर दिया। अपनी जान बचाने भालू से वह काफी देर तक संघर्ष करता रहा। इधर भालू ने अपने पैने नाखूनों व पंजों से उसके सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से को नोच डाला था।भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल प्रधान आरक्षक ने हिम्मत नहीं हारी। उसने भालू के चेहरे पर मुक्के से तेज प्रहार किया, इसके बाद भालू वहां से भाग निकला। इधर गंभीर हालत में प्रधान आरक्षक खुद बुलेट चलाकर उदयपुर अस्पताल पहुंचा। सूचना पर थाना प्रभारी समेत अन्य स्टाफ भी वहां पहुंचे थे। उदयपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद प्रधान आरक्षक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। देर रात मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। भालू द्वारा सिर में किए गए हमले के कारण उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अलसुबह उसे रायपुर रेफर कर दिया गया।

निर्वाचन के लिए उपयोग में लाए जाने वाले वाहन की पार्किंग व्यवस्था आईटीआई पर्री में सुनिश्चित

» चार हिस्सों में की गई है पार्किंग व्यवस्था

» विधानसभा वार बंधन केंद्र के लिए पार्किंग में 150 बसें रहेगी खड़ी

» सेक्टर अधिकारियों की 90 छोटी गाड़ियों की है व्यवस्था

- संवाददाता -
सूरजपुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

16 नवंबर को आईटीआई भवन पर्री (स्ट्रॉन्ग रूम) से सुबह 06:00 बजे मतदान सामग्री का वितरण किया जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देशन पर पूर्व से ही पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। जिसके तहत सामग्री वितरण केंद्र के पीछे स्थित मैदान पर पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिसको चार हिस्सों में बांटा गया है। जिसमें तीन हिस्से में तीनों विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर (04), भटगांव(05) व प्रतापपुर(06) के लिए विधानसभा वार मतदान खड़ी होगीं। इसके साथ ही एक हिस्से में सेक्टर अधिकारियों के लिये 90 छोटी गाड़ियां पार्क रहेंगीं। इसके अलावा भी कई गाड़ियां रिजर्व में सुरक्षित रहेंगीं जो कि आवश्यकता अनुरूप उपयोग में लाई जाएगीं। पार्किंग व्यवस्था के सुनिश्चित होने से मतदान केंद्र के लिए मतदान कर्मी मतदान सामग्री के साथ अपने मतदान केंद्र के लिए निर्धारित समय पर निकाल सकेंगे जिससे कि वो निश्चित समय में अपने मतदान केंद्र पहुंच सकें।

इसके साथ ही नगर सेना के बगल मे मतदान कर्मी हेतु पार्किंग और लाइवलीहुड हॉस्टल के बगल मे वीआईपी पार्किंग

द्वितीय प्रशिक्षण में डाक मतपत्र से मतदान न कर पाने वाले मतदान कर्मियों को 15 को एक और अवसर

- संवाददाता -
सूरजपुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन आयोग छ.ग. रायपुर के निर्देशानुसार कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के आदेश अनुसार सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि विधानसभा निर्वाचन-2023 में नियुक्त ऐसे मतदान कर्मी जो उनके द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 08,09 एवं 10 नवंबर को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान नहीं कर पाए हैं। उनके लिए दिनांक 15 नवंबर को जिला स्तर पर मतदान कराये जाने के लिये विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव एवं 06 प्रतापपुर के मतदान के लिए क्रमशः सुविधा केन्द्र - संयुक्त जिला कार्यालय भवन कक्ष क्रमांक ई-6/68, कक्ष क्रमांक डी.-1/37 एवं कक्ष क्रमांक ए-2/2 में कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:30 बजे तक पहचान हेतु दस्तावेज जैसे मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटो युक्त बैंक पासबुक, ड्राइविंग लाइसेंस इत्यादि पहचान पत्रों में से कोई एक पहचान पत्र के साथ उपस्थित होकर मतदान

मतदाता फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर भी मतदाता कर सकेंगे मतदान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग की ओर से सभी मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं। आयोग सभी मतदाताओं से अपेक्षा करता है कि वे मतदान स्थल पर अपना मत देने से पहले अपनी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आयोग की ओर से जारी निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखाएंगे।

उन्होंने कहा कि यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है तो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी अनुमत किए गए हैं। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, वे अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन

दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। मतदाता इनमें से कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत कर मतदान कर सकेंगे।

प्रवासी निर्वाचकों को जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर निर्वाचक नामावालियों में पंजीकृत हैं, मतदान केंद्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट (तथा अन्य कोई पहचान दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही

दोनों देशों के संबंध जटिल,टकराव का खतरा भी बरकरार
बाइडन-जिनपिंग शिखर वार्ता से पहले NSA सुलिवन

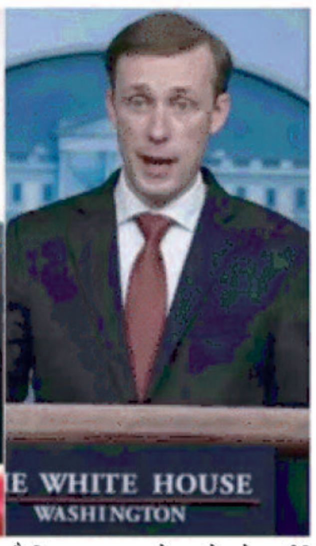

वॉशिंगटन, 14नवम्बर 2023। अमेरिका-चीन संबंध आसानी से संघर्ष की ओर बढ़ सकते हैं। ये मानना है अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन का। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर दोनों देशों के रिश्तों को अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया गया तो अमेरिका और चीन के बीच टकराव होने की आशंका बिल्कुल निराधार नहीं है। बता दें कि सुलिवन का यह बयान राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच होने वाली बहुप्रतीक्षित शिखर वार्ता से कुछ घंटे पहले आया है। सुलिवन ने अमेरिका-चीन रिश्तों को ÷जटिल और प्रतिस्पर्धी÷ करार दिया।

गौरतलब है कि बाइडन और शी जिनपिंग बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) लीडरशिप समिट के मौके पर मिलने वाले हैं। दोनों शीर्ष नेताओं की आखिरी मुलाकात नवंबर 2022 में जी20 शिखर सम्मेलन, बाली में हुई थी। यह भी दिलचस्प है कि 80 वर्षीय बाइडन और 70 वर्षीय शी जिनपिंग राष्ट्रपति बनने से पहले से एक दूसरे को जानते रहे हैं। 2021 में बाइडन के राष्ट्रपति बनने से पहले दोनों एक दशक से अधिक समय से एक-दूसरे से परिचित हैं।

एपीईसी शिखर वार्ता से पहले सुलिवन ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास इस बात पर चर्चा करने का अवसर है कि वे ताइवान जलडमरूमध्य (Strait) में शांति और स्थिरता को प्रभावी ढंग से कैसे प्रबंधित करते हैं। दोनों पक्षों के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

सुलिवन ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ÷यह एक जटिल और प्रतिस्पर्धी रिश्ता है। अगर संबंधों को अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया गया तो अमेरिकी और चीन के बीच आसानी से संघर्ष या टकराव होने का खतरा है।÷ उन्होंने कहा, रिश्ते को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना राष्ट्रपति के साथ-साथ दोनों देशों के रिश्तों पर काम करने वाले सभी लोगों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।÷

ताइवान उन विषयों की सूची में सबसे ऊपर रह सकता है, जिस पर चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग बाइडन के साथ चर्चा करने को उत्सुक होंगे। बता दें कि बीजिंग स्व-शासित द्वीप- ताइवान पर संप्रभुता का दावा करता है। यहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने वाले हैं। चीन ने हाल के महीनों में ताइवान के आसपास उत्तेजक सैन्य अभ्यास किया है। चीन की इस कार्रवाई का मकसद द्वीप को स्वतंत्र घोषित करने के लिए कोई भी कदम उठाने के खिलाफ चेतावनी देना माना गया। बाइडन और जिनपिंग की बैठक के दौरान इस्राइल-हमास युद्ध, यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध, मानवाधिकार और व्यापारिक विवादों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

बता दें कि पिछले अगस्त में अमेरिका-चीन द्विपक्षीय संबंध काफी निचले स्तर पर पहुंच गए थे। बीजिंग ने ताइवान की उच्च स्तरीय अमेरिकी यात्रा के प्रतिशोध में वॉशिंगटन के साथ प्रमुख संचार माध्यमों को बंद कर दिया था। इस फरवरी में बातचीत बहाल करने के प्रयास तब पटरी से उतर गए जब एक अमेरिकी लड़ाकू जेट ने अमेरिकी हवाई क्षेत्र में एक चीनी निगरानी गुब्बारे को मार गिराया। इस कार्रवाई के बाद से, अमेरिका ने अपने सबसे बड़े रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ संवाद कायम करने की कोशिश में कई महीने बिताए हैं।

इन प्रयासों में हाल के महीनों में चार कैबिनेट स्तर के अधिकारियों को बीजिंग भेजना भी शामिल है। दोनों देशों के बीच कथित तनाव को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा, ये कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान गहन कूटनीति के माध्यम से हो सकता है। अमेरिका इसे प्रबंधित करने में सक्षम रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता से सकारात्मक परिणाम उत्पन्न करने के अवसरों की तलाश करेगा। सुलिवन ने कहा, हम आने वाले सप्ताह में कुछ प्रगति देखने की उम्मीद कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच अन्य मुद्दों पर भी सहयोग के दरवाजे खुल सकते हैं, जहां सिर्फ चीजों का प्रबंधन नहीं, बल्कि वास्तव में ठोस परिणाम मिलेंगे।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जेल ट्रायल पर रोक लगाई,गुप्त राजनयिक केबल लीक करने के आरोपी हैं पूर्व पीएम

इस्लामाबाद, 14 नवम्बर 2023। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत मिली। अदालत ने मंगलवार को गुप्त राजनयिक केबल (सिफर) मामले में जेल ट्रायल पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने जेल में सुनवाई के खिलाफ स्थगन आदेश जारी किया। बता दें कि मामले की संवेदनशीलता और इमरान खान से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण एक दिन पहले ही पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने उच्च सुरक्षा वाली रावलपिंडी जेल में इस मामले की सुनवाई की अनुमति दी थी।

इमरान के साथ पूर्व विदेश मंत्री पर भी लगे हैं आरोप, दोनों जेल में बंद

बता दें कि पाकिस्तान में सरकार चला चुकी राजनीतिक पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष 71 वर्षीय इमरान खान वर्तमान में न्यायिक रिमांड पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उनके साथ सहयोगी मंत्री 67 वर्षीय शाह महमूद कुरेशी भी जेल में हैं। इमरान और उनके करीबी रहे पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर सिफर यानी गुप्त राजनयिक केबल लीक करने के आरोप लगे हैं। हालांकि गिरफ्तारी के बावजूद दोनों ने आरोपों को सिरे से खारिज कर खुद को निर्दोष बताया है।

हाईकोर्ट की खंडपीठ से इमरान को मिली राहत

इमरान के खिलाफ जेल ट्रायल पर रोक लगाने वाली इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की दो सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज शामिल हैं। पीठ ने अदियाला जेल में अपने मुकदमे के खिलाफ खान की इंट्रा-कोर्ट अपील की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया।

सरकारी वकील की दलीलों से अदालत संतुष्ट नहीं

इमरान ने अपील इस्लामाबाद हाईकोर्ट की ही एकल पीठ के खिलाफ दायर की गई थी। सिंगल जज बेंच ने पिछले महीने अदियाला जेल में इमरान खान पर मुकदमे के ट्रायल पर सहमति जताई थी। हाईकोर्ट ने अटॉर्नी जनरल मंसूर अवान की उस दलील को मानने से इनकार कर दिया कि मुकदमे पर रोक लगाने के बजाय, अदालत को अगली सुनवाई कल के लिए तय करनी चाहिए जब वह मामले का पूरा रिकॉर्ड पेश करेंगे।

इंट्रा-कोर्ट अपील पर इमरान को राहत मिली

हाईकोर्ट ने अनुरोध खारिज करते हुए अगली सुनवाई गुरुवार के लिए तय की और जेल ट्रायल रोकने का आदेश दिया। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक की एकल पीठ ने 16 अक्तूबर को सिफर मामले में इमरान के जेल ट्रायल को बरकरार रखने का फैसला सुनाया था। चीफ जस्टिस ने कहा था कि जेल में सुनवाई के पीछे कोई स्पष्ट दुर्भावना नहीं। इसके बावजूद अगर इमरान खान को आपत्तियां हैं तो वह ट्रायल कोर्ट से संपर्क करने को स्वतंत्र हैं। फैसले से असंतुष्ट इमरान खान ने एकल पीठ के फैसले के खिलाफ इंट्रा-कोर्ट अपील दायर की।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। भटगांव थाना क्षेत्र के सोनगरा पेट्रोल पंप के पास सोमवार की रात पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार तपेश्वर राजवाड़े पिता गणेश राजवाड़े उम्र 35 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के करवां घुटरीपारा का रहने वाला था। वह सोमवार को धान काटने बड़वार गया था। रात को बाइक से वापस घर लौट रहा था। तभी भटगांव थाना क्षेत्र के सोनगरा मुख्य मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे पिकअप ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में तपेश्वर गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। सूचना पर पहुंचे परिजन ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक ने अज्ञात कारण से फांसी लगाकर दी जान

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। शहर के जयनातालाब निवासी एक युवक ने अज्ञात कारण से अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सौरभ सिंह पिता ललन सिंह उम्र 25 वर्ष कोतवाली थाना क्षेत्र के जयनातालाब के पास का रहने वाला था। वह सोमवार की रात को घर आया और बिना खाना खाए कमरे में जाकर सो गया। मंगलवार की सुबह परिजन ने कमरे में जाकर देखा तो उसकी लाश फंदे पर झूल रही थी। परिजन ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस ने इस मामले में फिसहाल मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

सिंचाई करने के दौरान युवती कुएं में गिरी, मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। ग्राम रकेली में सोमवार की शाम सिंचाई करते समय एक युवती कुएं में गिर गई थी। कुएं से निकालकर उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उसकी मौत हो गई। सीमा पोर्ते पिता नारायण पोर्ते उम्र 18 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम रकेली की रहने वाली थी। वह सोमवार की शाम को घर के पास कुएं से आली खेत की सिंचाई कर रही थी। तभी पानी निकालते समय वह कुएं में गिर गई। परिजन ने देखा तो ग्रामीणों की मदद से उसे कुएं से बाहर निकाला और इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने जिला प्रशासन की खास तैयारियां
कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने लगभग आधे दर्जन से ज्यादा मल्टीबूथ भवनों का स्वयं किया निरीक्षण

- जहां एक ही भवन या परिसर में एक से अधिक बूथ,वहां एंट्री-एग्जिट अलग
- सभी मतदान के केंद्रों में पेयजल, शौचालय और बैठने की व्यवस्था, आवश्यक बैरिकेडिंग
- छठ त्यौहार के मद्देनजर व्रती महिलाओं का विशेष देने के निर्देश
- मतदाताओं से अपील- आपकी सुविधा के लिए सारी तैयारियां, वोट करने जरूर आएं

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। जिले में 17 नवंबर को मतदान किया जाना है। लोकतंत्र के इस महापर्व की बेहतर तैयारियों में जिला प्रशासन जुटा हुआ हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार मंगलवार को स्वयं शहरी क्षेत्र में स्थित आधे दर्जन से ज्यादा मल्टीबूथ भवनों का निरीक्षण करने पहुंचे। मल्टीबूथ भवन यानी ऐसे भवन या परिसर जहां, एक से अधिक मतदान केंद्र स्थित हैं। इनमें आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। जिन शहरी मतदान केंद्रों में पिछले विधानसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत 70 प्रतिशत से कम रहा है, उन मतदान केंद्रों में पहुंचकर आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिससे शहरी क्षेत्र में मतदान प्रतिशत पिछले विधानसभा निर्वाचन की तुलना में बढ़ सके। इसमें जहां एक ही भवन या परिसर में एक से अधिक बूथ हैं, वहां एंट्री-एग्जिट अलग किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सभी मतदान के केंद्रों में पेयजल, शौचालय और बैठने की व्यवस्था, आवश्यक बैरिकेडिंग पर भी जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन ने मतदान केन्द्रों का जायजा लेते हुए कहा कि अंबिकापुर शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम पाया गया है, जिसका कारण लंबी लाइन या मतदान केंद्र में मतदान प्रक्रिया में अधिक समय लगना आदि हो सकता है। इस हेतु उन्होंने कतार में लगने वाले मतदाताओं सहित मतदान केंद्र में प्रतिक्षरता मतदाताओं के बैठने के लिए छायादार सुविधा बनाने निर्देशित किया है जिससे मतदाता को मतदान करने ने किसी तरह की दिक्कत ना हो। वे मतदान करने के प्रति प्रोत्साहित हों। म्युनिसिपल स्कूल परिसर में आदर्श मतदान केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग, बुजुर्ग, एवं आगामी त्यौहार छठ को ध्यान में रखते हुए व्रती महिलाओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो इस बात का ध्यान रखा जा रहा है।

इन मतदान केंद्रों का किया गया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्र क्रमांक 94 टीसीपीसी एरिया, मतदान केन्द्र क्रमांक 92 फुन्दुरडिहारी, मतदान केन्द्र क्रमांक 93 नवापारा, मतदान केन्द्र क्रमांक 122 चित्रसेन मुहल्ला, मतदान केन्द्र क्रमांक 121 सोनी मोहल्ला, मतदान केन्द्र क्रमांक 98 सियानसदन मोहल्ला, मतदान केन्द्र क्रमांक 97 सोनी मोहल्ला नमना, मतदान केन्द्र क्रमांक 125 शासकीय कन्या महाविद्यालय, मतदान केन्द्र क्रमांक 126 शासकीय कन्या महाविद्यालय पश्चिमी कक्ष, मतदान केन्द्र क्रमांक 127 शासकीय कन्या महाविद्यालय उत्तरी, मतदान केन्द्र क्रमांक 111 प्राथमिक शाला पर्राडाड़, मतदान केन्द्र क्रमांक 113 मोमिनपुरा-2, मतदान केन्द्र क्रमांक 54 मायापुर, मतदान केन्द्र क्रमांक 56 मायापुर-2, मतदान केन्द्र क्रमांक 55 मायापुर-4, मतदान केन्द्र क्रमांक 71 पुलिस लाइन, मतदान केन्द्र क्रमांक 70 पुलिसलाईन, मतदान केन्द्र क्रमांक 72 डीसी रोड पुलिस लाइन, मतदान केन्द्र क्रमांक 67 बौरीपारा-1, मतदान केन्द्र क्रमांक 53 बौरीपारा, मतदान केन्द्र क्रमांक 51 बौरीपारा शिकारी रोड, मतदान केन्द्र क्रमांक 68 बौरीपारा-2, मतदान केन्द्र क्रमांक 125 खजुरपारा, मतदान केन्द्र क्रमांक 126 इमलीपारा, मतदान केन्द्र क्रमांक 117 बह्मपारा शामिल है।

वोटिंग परसेंट बढ़ाने मुख्य बिंदुओं को समझने का किया गया है प्रयास

वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने इस बार मुख्य बिंदुओं को समझने का प्रयास किया गया और मतदाताओं की सुविधा के मद्देनजर लोगों के लिए वेटिंग एरिया, होल्डिंग एरिया को बढ़ाया जा रहा है। ये पूरी व्यवस्था इसलिए की जा रही है कि जितने भी वोटर्स हैं, दिव्यांग, महिला, बुजुर्ग सहित युवा मतदाता, आसानी से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें और जिले का वोटिंग प्रतिशत शहरी क्षेत्र में भी बढ़े तथा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अच्छे से पालन हो। उन्होंने मतदाताओं से अपील भी की है कि जिला प्रशासन द्वारा समस्त तैयारियां की जा रही हैं, वोट देने सभी मतदाता जरूर आएं। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, नगरनिगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, रिटर्निंग अधिकारी अंबिकापुर, राजस्व विभाग, नगर निगम, जिला पंचायत, पीएचई, पीडब्ल्यूडी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

जहां टीएस बाबा के विरुद्ध लगा था बैनर
वहां के लोगों ने कहा...हम बाबा के साथ

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। चौकिए नहीं.! यह अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र का वह इलाका है...जहां हाल ही में कांग्रेस के प्रत्याशी एवं प्रदेश के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के खिलाफ कुछ लोगों ने जर्जर सड़कों की तस्वीर लेकर बैनर टांग दिया था। ऐसा कहा जा रहा था कि उनका काफी विरोध चल रहा है किंतु छत्तीसगढ़ श्रमिक कल्याण मंडल के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त शफी अहमद व वरिष्ठ कांग्रेस नेता, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अरविंद सिंह गप्पू ने इस क्षेत्र में बैठक लेकर यहां के मुस्लिम समुदाय के लोगों को समझाइश दी और सभी ने सहर्ष निर्णय लिया है कि इस वार्ड और इस क्षेत्र के लोग कांग्रेस के साथ हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के प्रति आस्था भी जताई है। बड़ी संख्या में यहां जुटे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा है कई दिनों से बेवजह कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं।

बता दें, इस वार्ड के पार्षद भाजपा से है जिनके ध्यान न देने से वार्ड का कामकाज भी प्रभावित है। कुछ वर्ष पूर्व यह क्षेत्र बहरा (पानी भरा हुआ) खेत के रूप में था जहां धान की रोपाई होती थी किंतु किसी ने क्षेत्र की भूमि को प्लाटिंग किया और लोगों को बिक्री किया। इसके बाद यह बड़ी आबादी वाली बस्ती बन गई है जहां पानी निकासी व सड़क जैसी सुविधाएं विकसित करना नगर निगम के लिए चुनौती है। फिर भी इस इलाके के मुख्य मार्ग को चकाचक कर दिया गया है। अंदरूनी मार्ग अभी बनाने शेष हैं। इसी को कुछ लोगों ने बैनर लगाकर उपमुख्यमंत्री की छवि खराब करने की कोशिश की थी। यह भी कहा था कि इस क्षेत्र के लोग अब विरोध करेंगे किंतु श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद की पहल पर इस क्षेत्र के लोगों ने सिर्फ अपना निर्णय वापस लिया है बल्कि टीएस सिंहदेव के प्रति आस्था भी जताई है। इंटरनेट मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप में इस मामले को खूब प्रसारित किया गया था जबकि मौके पर ऐसी स्थिति नहीं थी।

छठ घाट की तैयारी अंतिम चरण में
17 नवंबर से होगी महापर्व की शुरूआत

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। मां महामाया सेवा समिति के तत्वावधान में पिछले 27 वर्षो से 3 दिनों तक आयोजित होने वाली कठिन पूजा छठ में श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इसके लिए समिति के अध्यक्ष विजय सोनी के नेतृत्व में हर वर्ष बांक नदी की साफ-सफाई करने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए रात में रुकने व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जातीं हैं।

इस वर्ष भी मां महामाया सेवा समिति के सदस्यों के साथ ही अध्यक्ष विजय सोनी शंकर घाट छठ घाट में श्रद्धालुओं के लिए बृहद व्यवस्था करने में जुट गए हैं। मंगलवार को समिति के अध्यक्ष व सदस्यों के साथ छोटे बाबा अरुणेश्वर शरण सिंह देव ने भी छठ घाट में तैयारी का जायजा लिया। बता दें कि बिहार, उत्तरप्रदेश का प्रमुख पर्व छठ सरगुज़ा का भी जन उत्सव बन चुका है। अंबिकापुर शहर में छठ पर्व मनाने की परंपरा वर्षो से रही है, लेकिन इसकी भव्यता और हर परिवार से जुड़ाव की नींव लगभग 27-28 वर्ष पहले रखी गई थी। श्रद्धालुओं की संख्या बढने के बाद पहली बार 1995 में मां महामाया सेवा समिति के माध्यम से सार्वजनिक छठ पूजा की शुरुवात बौरीबांध अंबिकापुर से की गई थी।स्थानाभाव के कारण कुछ वर्ष बाद शंकरघाट में आयोजन ने भव्य स्वरूप लिया। सजे-धजे बांकी नदी तट पर व्रती श्रद्धालुओं के छठ गीतों की अनुगूंज ने सिर्फ शहर ही नहीं समूचे सरगुज़ा को सूर्योपासना के इस महापर्व से जोड़ दिया। वर्तमान में हर वर्ष शंकर घाट में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। पिछले कुछ वर्षो में बढ़ते श्रद्धालुओं के कारण शहर सहित शहर के आसपास कई छठ घाट का निर्माण भी कराया गया जहां भारी संख्या में श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचते हैं। शंकर घाट छठ घाट में इस महापर्व को लेकर अभी कुछ दिन पहले ही साफ सफाई का आयोजन किया गया था। छठ घाट की साफ सफाई के साथ-साथ अब इस पर्व को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मंगलवार को छठ घाट शंकर घाट की तैयारी व जायजा के दौरान मां महामाया छठ सेवा समिति के अध्यक्ष विजय सोनी के साथ समिति के एल्डरमैन संजीव मंदिलवार, सूटन सिंह, पप्पू ठाकुर,भानू सिह,राधे कुशवाहा, कृष्णा ,चंदा पांडे, दीपक सिंन्हा, मनोज श्रीवास्तव, बबलू कुशवाहा, सनी कुशवाहा, कपिल बंसल सहित अन्य मौजूद थे। इस वर्ष 17 नवम्बर को नहान खान के साथ छठ पर्व की शुरुआत होगी। 18 को खीर भोजन व घाट बंधान,19 को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद 20 नवम्बर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर वश व्रती श्रद्धालु पारण करेंगे।

क्या मुख्यमंत्री का चेहरा व घोषणा ही बचा सकता है

बैकुंठपुर विधानसभा को हार से ?

बैकुंठपुर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी पसंद नहीं पर मुख्यमंत्री का संभाग बनाने का घोषणा क्या आ सकता लोगों को पसंद

कोरिया के छोटा होने के बाद अब कुछ बड़ा होने की उम्मीद...अब संभाग की उम्मीद!

तीनों सीट पर मिलेगी जीत तब बनेगा संभाग...घोषणा के साथ-साथ शर्त भी

विभाजित कोरिया जिले की तीनो विधानसभाओं के लिए मुख्यमंत्री ने खेला एक साथ दांव,संभाग की घोषणा से तीन सीटों को साधने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कोरिया जिले को संभाग बनाने की घोषणा करके एक साथ तीन विधानसभा सीटों के लिए दांव खेला है। तीन विधानसभाओं में उनके प्रत्याशियों को काफी संघर्ष करना पड़ रहा है विपक्षी प्रत्याशियों से और जैसी सूचना मिल रही है कहीं भी किसकी जीत होगी मामला एकतरफा नजर नहीं आ रहा है इसलिए भी संभाग बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की है। मुख्यमंत्री की यह घोषणा एक तीर तीन निसाने वाली तीर थी ऐसा माना जा रहा है।

शर्त रखकर मुख्यमंत्री ने संशय छोड़ना भी जरूरी समझा

मुख्यमंत्री ने कोरिया जिले को संभाग बनाने की घोषणा करते समय एक संशय भी छोड़ना उचित समझा उन्होंने स्पष्ट रूप से नहीं कहा की कोरिया जिला संभाग का दर्जा प्राप्त करेगा ही,उन्होंने घोषणा के साथ एक बात बड़ी जोर देकर कही की विभाजित कोरिया जिले की तीनों विधानसभा यदि जीतती है कांग्रेस तो कोरिया जिला संभाग बनाया जायेगा। अब यदि ऐसा नहीं होता है तो क्या कोरिया जिला संभाग नहीं बनाया जायेगा यह संशय लोगों के मन में छोड़ गए मुख्यमंत्री।

चिरमिरी खड़गवां के भविष्य के लिए कोई घोषणा नहीं कर गए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने एक दिन में विभाजित कोरिया जिले की तीनों विधानसभाओं को साधने का प्रयास किया वहीं उन्होंने इस दौरान चिरमिरी और खड़गवां को लेकर कोई वादा या घोषणा नहीं की जिससे इन जगहों के लिए सरकार बनने की स्थिति में क्या योजनाएं होगी यह स्पष्ट नहीं बता पाए मुख्यमंत्री। पोड़ी बचरा क्षेत्र किस जिले में सम्पूर्ण रूप से शामिल होगा यह भी वह नहीं बता पाए। कुल मिलाकर अपने शहर के पलायन को रोकने की सोच के साथ चिरमिरी वासियों को लेकर कोई घोषणा न होना उनके लिए निराशाजनक रहा।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले को संभाग बनाने की घोषणा बैकुंठपुर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कर दी। संभाग बनाने की घोषणा करते हुए उन्होंने यह शर्त भी रख दी की कोरिया जिला संभाग तभी बनेगा जब अविभाजित कोरिया जिले की तीनों विधानसभा में कांग्रेस पार्टी जीत दर्ज करेगी। मुख्यमंत्री की सशर्त घोषणा के बाद यह भी तय हो गया की मुख्यमंत्री ने भी मान लिया की बैकुंठपुर विधानसभा सहित विभाजित कोरिया जिले की तीनों विधानसभाओं में कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत आसान नजर नहीं आ रही है जिसके कारण उन्हे बड़ी घोषणाएं करने की जरूरत पड़ रही है और वह घोषणा करके प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं। बैकुंठपुर विधानसभा में यह लगातार देखा जा रहा है की विधानसभा में कांग्रेस का विरोध कम प्रत्याशी जो वर्तमान विधायक भी हैं उनका विरोध ज्यादा है और उसे मुख्यमंत्री भी भांप गए और उन्होंने संभाग बनाने की घोषणा करके यहां से प्रत्याशी की जीत तय कराने की एक कोशिश की है। वैसे जन चर्चाओं के अनुसार यदि माने तो संभाग बनाने की घोषणा का जो असर देखने को मिलना था वह मिला नहीं,क्योंकि अभी तक पुरानी घोषणाओं और पुराने कई लागू की जा चुकी घोषणाओं को ही सरकार में रहते हुए सत्ताधारी दल बेहतर लागू नहीं कर सकी और उसके बाद फिर नई घोषणा जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है की आखिर चुनाव जीतने के लिए कुछ भी घोषणा करते रहेंगे राजनीतिक दल जबकि पुरानी घोषणाओं को ही वह अमली जामा नहीं पहना पाए।

कोरिया जिला संभाग बनेगा यह देखा जाए तो बड़ी घोषणा है लेकिन कोरिया जिले के कौन कौन से जिले शामिल होंगे यह भी बताकर जाना था मुख्यमंत्री को यह लोगों के बीच चर्चा है, क्या दो ही जिलों का संभाग बनेगा कोरिया जिला? क्योंकि कोरबा जिला कोरिया को संभाग के रूप में स्वीकार नहीं करेगा क्योंकि उसके लिए बिलासपुर ही बेहतर है वहीं पेंड्रा मरवाही गौरेला जिला भी कोरिया जिले को संभाग के रूप में स्वीकार नहीं कर पाएगा उनको भी बिलासपुर ही बेहतर संभाग के रूप में लगेगा वहीं सूरजपुर जिला मुख्यालय क्षेत्र भले ही कोरिया जिले को संभाग के रूप में स्वीकार कर ले लेकिन सूरजपुर जिले का प्रतापपुर क्षेत्र निश्चित रूप से संभाग के रूप में सरगुजा को पसंद करेगा यही सत्य माना जायेगा। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री की संभाग बनाए जाने की घोषणा प्रभावी हो सकेगी इसमें संशय अभी से माना जा रहा है।

भीड़ के लिए की गई भोजन व्यवस्था में मची भगदड़...मुख्यमंत्री की सभा में जुटाई गई भीड़ भोजन व्यवस्था से नाराज होकर देर रात बिना कुछ खाए घर लौटी

मुख्यमंत्री की सभा के लिए भीड़ जुटाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोई कसर नहीं छोड़ी,भीड़ देर शाम या कहें रात तक रुकी रहे इसके लिए भोजन की भी व्यवस्था है ऐसा भीड़ को बताया गया था,भीड़ के लिए भोजन स्वरूप में मांसाहारी भोजन की भी व्यवस्था थी जैसा बताया जा रहा है लेकिन भीड़ भोजन तक पहुंच नहीं पाई भोजन के समय भगदड़ मच गई जो देर रात तक मची रही जिससे आई भीड़ नाराज देखी गई। सूत्रों की माने तो देर रात अधिकांश भीड़ बिना भोजन किए घर लौट पाई वहीं कतार लगाकर भीड़ भोजन के लिए इंतजार भी करती रही लेकिन अधिकांश का नंबर नहीं आया। कुल मिलाकर भीड़ के लिए की गई भोजन व्यवस्था भीड़ की नाराजगी का कारण बन गई और लोग व्यवस्था को कोसते हुए घर लौटे।

जिले को 24 वर्षों में भी पूरा कार्यालय प्राप्त नहीं हो

कोरिया जिले का विभाजन हुआ आज तक कोरिया जिले में शामिल पोड़ी बचरा क्षेत्र किस जिले में शामिल है तय नहीं हो पाया शिक्षा स्वास्थ्य और पुलिस जिला क्षेत्र के लिए एमसीबी है राजस्व जिला कोरिया है वहीं कोरिया जिला 1998 में कांग्रेस सरकार ने ही बनाया था लेकिन जिले को 24 वर्षों में पूरे कार्यालय प्राप्त नहीं हो सके थे जो आज भी अप्राप्त हैं। कई नई तहसील बनाई गई लेकिन वहां न तो भवन है न ही नकल शाखा आज भी नकल के लिए पुरानी तहसीलों में जाना मजबूरी है लोगों की वहीं मुख्यमंत्री ने चिरमिरी खड़गवां का क्या भविष्य होगा यह भी बताना छोड़ दिया और हेलीकॉप्टर से उड़ गए। कुल मिलाकर माना जा रहा है की विभाजित कोरिया जिले के तीनों प्रत्याशियों की जीत उनके चेहरे पर संभव नहीं नजर आ रही है इसलिए संभाग का पांसा फेंका है मुख्यमंत्री ने और अब वह घोषणा के दम पर तीनो सीट जितना चाहते हैं। सबसे खराब स्थिति व्यक्तिगत तौर पर बैकुंठपुर की कांग्रेस प्रत्याशी की मानी जा रही है जिनका विरोध व्यक्तिगत है और उनको कम समर्थन मिलता नजर आ रहा है इसलिए संभाग का दांव खेला गया है यह माना जा रहा है।

संभाग की घोषणा करके मुख्यमंत्री हवाई यात्रा पर निकल गए लेकिन कई सवाल छोड़ गए?

वैसे संभाग की घोषणा करके मुख्यमंत्री तो हवाई यात्रा पर निकल गए लेकिन कई सवाल छोड़ गए आगे क्या भविष्य होगा जिले का पहले उन्हे यह बताना था जो वह नहीं बता सके। 32 ग्राम पंचायत किस जिले में शामिल होंगे यह भी वह नहीं बता पाए वहीं संभाग का मुख्यालय कहां होगा यह भी उन्होंने बताना उचित नहीं समझा जो लोगों के लिए एक प्रश्न बनकर रह गया है। वैसे कुछ लोगों ने घोषणा को चुनावी बताया है और उनका कहना है की प्रत्याशियों की हार भांपकर मुख्यमंत्री जी कुछ भी घोषणा करने तैयार हैं वह ग्राम पंचायतों को भी जिला बनाने की घोषणा कर सकते हैं यह लोगों की प्रतिक्रिया आ रही है,कुछ ने तो कोरिया जिले को राजधानी बनाएंगे मुख्यमंत्री यह भी प्रतिक्रिया दी है,देखा जाए तो संभाग बनाने की घोषणा को लोग एक जुमला बता रहे हैं और उनका मानना है की प्रत्याशी संभाग की घोषणा के नाम पर जीत दर्ज करना चाहती हैं क्षेत्र में वह पिछले कार्यकाल में भी नहीं रहती थीं आगे भी नहीं रहेंगी उन्हे केवल अपनी जीत से मतलब है वह भी अपने ही पार्टी के लोगों की मदद के बिना इसलिए वह घोषणा कराकर चुनाव जितने के प्रयास में लगी हुई हैं।

बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति चुनाव में सबसे ज्यादा कमजोर,इसलिए संभाग बनाने का दांव खेला मुख्यमंत्री ने

जैसा की पहले से माना जा रहा था की बैकुंठपुर की कांग्रेस प्रत्याशी के लिए कोई एक बड़ा स्टार प्रचारक विधानसभा में आएगा और वह मुख्यमंत्री ही होंगे यह भी तय माना जा रहा था वह भी वह कोई एक बड़ी घोषणा करेंगे यह भी तय था इसके पीछे का कारण यह माना जा रहा था की कांग्रेस प्रत्याशी काफी पीछे हैं रुझानों में और वह पार्टी के ही कार्यकर्ताओं का विश्वास नहीं हासिल कर पा रही हैं वहीं जनता के बीच उनका विरोध जरूरत से ज्यादा है जो पार्टी का विरोध कम उनका व्यक्तिगत विरोध है। ऐसे में उनकी जीत किसी बड़ी घोषणा के सहारे ही हो सकती है यह पहले से माना जा रहा था जो मुख्यमंत्री करें यह उनकी तैयारी थी जो हुआ भी और संभाग की घोषणा कर दी गई। संभाग बनाने की घोषणा कितनी सही साबित होगी यह भविष्य में कांग्रेस की यदि सरकार बनती है तभी समझ में आएगा फिलहाल केवल यही कहा जा सकता है की बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी को किसी तरह चुनाव जिताया जाए और उसके लिए कोई भी घोषणा करनी हो की जाए।

निर्वाचन कार्य में ड्यूटी में तैनात जिले के मतदाताओं ने आज जिला सुविधा केन्द्र में किया मतदान

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अनिवार्य सेवा के मतदाता, सेक्टर आफिसर, निर्वाचन कार्य में संलग्न विभिन्न दल के अधिकारी, कर्मचारी, माइक्रो आर्ब्जवर एवं अन्य जिले में पदस्थ एवं सुरक्षाकर्मी के रूप में ड्यूटी में तैनात रहने वाले के लिए आज डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान के लिए जिला संयुक्त कार्यालय में सुविधा केन्द्र बनाये गये थे। जिसमें उन्होंने डाक मतपत्र द्वारा अपने मताधिकार का उपयोग किया। जिसके तहत अंतिम प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा प्रेमनगर (04) से 49, भटगांव (05) से 19 व प्रतापपुर (06) से 06 अर्थात् कुल 74 मतदाताओं ने डाक मतपत्र द्वारा अपने मताधिकार का उपयोग किया। 13 नवंबर से 16 नवंबर तक विधानसभा वार सुविधा केन्द्र बनाये गये है। जिसके तहत अनिवार्य सेवा के मतदाता (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण छ.ग. राज्य विद्युत विभाग) विधानसभा प्रेमनगर (04) के लिए संयुक्त जिला कार्यालय भवन कक्ष क्र. (ई-6/68) (13,14 व 15 नवंबर तक प्रातः 10:00 बजे से 05:30 बजे तक), माइक्रो आर्ब्जवर, पुलिसकर्मी, होमगार्ड, सेक्टर अधिकारी, वाहन चालक अन्य जिले के शासकीय कर्मचारी, एफ.एस.टी , एस.एस.टी एवं एमसीएमसी का जिला स्तर पर सुविधा केन्द्र विधानसभा प्रेमनगर (04), भटगांव (05) व प्रतापपुर (06) के लिए जिला स्तर पर सुविधा केन्द्र क्रमशः संयुक्त जिला कार्यालय भवन कक्ष क्र. (ई-6/68), संयुक्त जिला कार्यालय भवन कक्ष क्र. (डी-1/37) व संयुक्त जिला कार्यालय भवन कक्ष क्र. (ए-2/2) में दिनाँक 13,14,15 व 16 नवंबर तक समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:30 बजे निर्धारित किया गया हैं।

हमें चुनाव आयोग पर भरोशा है,एक भी एजेंट नियुक्त नहीं करेगी आपः डॉ आकाश

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉ आकाश जायसवाल ने प्रेस वार्ता आयोजन कर कहा कि हम अन्य दलों की तुलना में कॉपी नहीं करके हम उन लोगों को जिनका हमने एजेंट के लिए बोला गया था उन्हें हम फील्ड पर भेज रहे हैं और उनको फील्ड वर्क दिया जा रहा है तो यह सूचना मैं आप लोगों को देना चाहता हूं कि हम पूरे 228 पोलिंग केंद्र में कोई भी एजेंट नियुक्त नहीं कर रहे हैं हमें पूरा विश्वास है मतदान पर पूरा विश्वास है हमारे भारत देश के मतदाताओं पर जिन पार्टियों को निर्वाचन पर भरोसा नहीं है वह बिल्कुल एजेंट नियुक्त करें हमें पूरा विश्वास है कहां के आम लोगों को दोनों पार्टियों ने मजाक बना रखा है देखा कि जब चुनाव हार रहे तो लोक लुभावन घोषणा कर रहे अब घोषणा से क्या समझा जाये यदि दोनों पार्टी सही है तो इन्हें अपने घोषणा पत्र में विस्वास नही जो अब हट कर वोट के लिए चुनावी स्टंट कर रहे । हमने पूरा बैकुंठपुर कोरिया जिला देखा है आज देखी कि आज लोकतंत्र का मजाक किस तरह से उड़ाया जा रहा है आज यह दोनों पार्टियों बैकुंठपुर में इतने सालों से राज करने के बाद भी आज इनको यह क्या जरूरत पड़ी है कि यह साड़ी कंबल पैसा दारू मुर्गा पर निर्भर है मैं पूछना चाहता हूं कि कहां थे आप 5 साल अगर आपने काम किया होता तो आपको यह करने की नौबत नहीं आती हमारे पास वीडियो है हमारे पास प्रूफ है लोगों के पास रात को जाकर के उनको भड़काने की कोशिश की जा रही है यह हम किस सदी में जी रहे हैं और आज आप सबको मैं बोलना चाहता हूं कि इस पर विचार करना चाहिए कि इन लोगों ने हमेशा से यह करते आये है और आज भी यह वही दोहरा रहे हैं लेकिन जनता मूर्ख नहीं है । हमारे पास कांग्रेस पार्टी के द्वारा नगर में पैसा बांटने की शिकायत व फुटेज है इसको आप किस रूप में देखते हैं कि चुनाव के समय इस तरह की बात कही जा रही है यह जो आचार संहिता का उल्लंघन है कांग्रेस कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है मैं आपको बताता हूं कि यह सारे लोग लुभावने वादे हैं चुनाव का समय हैं कहां थे यह लोग जब जनता ने इन्हें बहुमत देकर सरकार बनाने दिया आज जब भ्रष्टाचार में इनको पता है कि कुर्सी हिल गई है उनकी जमीन जा चुकी है छत्तीसगढ़ से तो इनके बड़ी-बड़ी बातें इनको याद आ रही है जनता बहुत समझदार हैं । कोरिया जिला वासियों से मिलने के लिए मै जहा जहा जाता हूं हर गांव में इतनी बुरी स्थिति है पूरे जिले की हालत खराब कर रखी है दोनों पार्टी के नेताओं में खास कर सत्ता पार्टी के रिस्पेक्ट मैडम सिंह देव जी से मैं पूछना चाहता हूं आप सबके माध्यम से कि क्यों नहीं गई वह किसी के पास आज जन-जन के मन में सवाल है किसी के पास इसक जवाब नही ,वर्तमान विधायक का दौरा नहीं हुआ है कोई भी आप जाकर पूछे ग्रामीण इलाकों में उन्होंने दौर क्यो नहीं किया लोगों की समस्याएं क्यो सुनी ही नहं ।वही आज जहां से पूर्व मंत्री राजवाड़े जी लड़ रहे हैं मैं आज पूछता हूं कि उनका खुद का निजी ग्राम वह का विकास जाकर के वह देखें पूरे कोरिया जिला की चाबी उनको फिर से कैसे दे दी जाए यह सवाल आज पूरी जनता पूछ रही है आज मैं सब की आवाज हूं मैं आपसे बोलना चाहता हूं जो अपने गांव का विकास नहं कर पाए आज उनके गांव में छोटे-छोटे बच्चे जिनके स पर भाजपा फूल छाप की टोपी है पैरों में चप्पल तक नहं है बदन पर कपड़े तक नहीं है यह हाल है पूर्व मंत्री के ग्राम का । वह प्रदेश के मंत्री थे जब आप अपने आसपास ही नहीं देख पा रहे हैं तो आप पूरे कोरिय जिला को कैसे देखेंगे मैं पक्ष विपक्ष की बात नहीं करूंग मैं कहूंगा कि आप पीछे जाइए संभाग की बात छोड़िए सत्ता में रहते कांग्रेस के जिला विभाजन की बात कीजिए कैसा जिला विभाजन किया आपने कौन खुश हैं और जिला विभाजन से आज बचरा पोड़ी क्षेत्र के लोग जिला वहां राजस्व यहां क्या कांग्रेस ने सही किय है आपने बिना किसी सोचे समझे बिना किसी प्लानिं के साथ लोगों से बात के बगैर जिला किसके लिए विभाजन कर दिया है जिले के लोग हैं ना जिले के लोगों से बात की जाती है क्या जिले के लोगों को प्राथमिकत होनी चाहिए इसमें सबसे पहले विचार जिले के लोगों का होनी चाहिए बिना उनके बिना उनके राय मशवरा के को भी ऐसे बड़े निर्णय नहीं होने चाहिए किन्तु कांग्रेस केवल वोट के लिए आम जनता के बीच जाती है फिर पाँच वर्ष दिखेंगे नही जैसा अब के विधायक का हाल है आप सभी बिना भय के मतदान करे यह अपील की है।

क्या स्थानीय कांग्रेसियों पर विश्वास कांग्रेस प्रत्याशी का हुआ कम इसलिए बुलाए गए हैं दानिश रफीक ?

अंबिकापुर के दानिश रफीक ने बैकुंठपुर की कांग्रेस प्रत्याशी के लिए जारी किया प्रचार अभियान

मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने हर कोशिश कर रहे दानिश रफीक

गैर मुस्लिम मतदाताओं के बीच जाकर भी कर रहे प्रचार,कांग्रेस प्रत्याशी के लिए सबसे विश्वस्त माने जा रहे हैं दानिश रफीक

मैनेजमेंट गुरु माने जाते हैं दानिश रफीक

दानिश रफीक मैनेजमेंट गुरु माने जाते हैं,उन्हे पूरा अधिकार दिया गया है की मैनेज होने वालों को वह बिना किसी से पूछे ही मैनेज कर सकते हैं यह भी सूत्रों का ही दावा है। वह हर दल में सेंध लगाकर जीत का रास्ता तय करने का प्रयास करेंगे यह भी बताया जा रहा है क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी कांग्रेस कैडर से बिल्कुल आश्वस्त नहीं हैं की वह काम करेगा जबकि वह काम मन से कर रहा है। अब देखना है की मैनेजमेंट गुरु दानिश कितना मैनेज कर पाते हैं विपक्षियों को क्योंकि वही सबसे बड़ा जीत दर्ज करने का रास्ता मानकर कांग्रेस प्रत्याशी चल रही हैं।

स्थानीय कांग्रेसियों की नाराजगी दूर करने की बजाए उनसे दूरी ही बनाना रणनीति मानी जा रही है कांग्रेस प्रत्याशी की

कुल मिलाकर अब जीत हार का जिम्मा अंबिकापुर के पैराशूट नेता के हिस्से जाना तय माना जा रहा है

चुनाव प्रचार के अंतिम समय में पैराशूट से उतरे नेता कितना कर पाएंगे कमाल...यह भी देखने वाली होगी बात

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

चुनाव प्रचार का अंतिम दौर चल रहा है बैकुंठपुर विधानसभा में मुख्य मुकाबला कांग्रेस भाजपा के बीच ही होना तय माना जा रहा है और ऐसे में अब दोनो ही दल अपनी पूरी ताकत झोंके हुए हैं और उन्होंने है तरह से मतदाताओं को रिझाने का प्रयास एक बार कर लिया है और अब वह उनके पास दोबारा जा रहे हैं और उनसे अपने प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं। बैकुंठपुर विधानसभा में जहां भाजपा अपने पुराने और स्थानीय कार्यकर्ताओं पर विश्वास करके चुनावी समर में जीत दर्ज करने की कोशिश कर रही है वहीं कांग्रेस की पूरी रणनीति प्रत्याशी स्वयं तैयार कर रही हैं और स्थानीय कांग्रेसियों की बजाए उन्होंने अंबिकापुर से एक नेता की नियुक्ति अपने विधानसभा में करा ली है जो उनके विश्वासपात्र हैं। कांग्रेस भाजपा में बैकुंठपुर विधानसभा में केवल अंतर इतना ही चुनाव प्रचार के दौरान समझ में आ रहा है की कांग्रेस अपने कैडर को किनारे करके चुनाव जितने के प्रयास में लगी हुई है बाहरी साथ ही हाल ही में जोगी जनता कांग्रेस से कांग्रेस में आए नेता को वह बैकुंठपुर विधानसभा का सबसे ज्यादा विश्वास पात्र अपना प्रचारक मान रही है वहीं भाजपा अपने पुराने कैडर नए कैडर के साथ चुनावी मैदान में है और वह अपनी जीत दर्ज करने में लगी हुई है।

अंबिकापुर से बैकुंठपुर विधानसभा में आकर कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए दानिश रफीक नाम के नेता को विधायक के कहने पर पार्टी ने नियुक्त किया है और फिलहाल वही उनके सबसे विश्वासपात्र हैं। दानिश रफीक का सबसे प्रमुख काम प्रत्याशी के पक्ष में मुस्लिम मतदाताओं को करना है वहीं वह विधानसभा के सभी कांग्रेसियों पर निगरानी रखेंगे साथ ही उन्हे मार्गदर्शन देंगे। वैसे दानिश रफीक हाल में कांग्रेस में शामिल हुए हैं और पहले जोगी कांग्रेस में थे और बैकुंठपुर विधानसभा में जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में शामिल हुए नेताओं की विधायक से नजदीकी के कारण वैसे भी कार्यकर्ता नाराज हैं ऐसे में दानिश रफीक को ही प्रमुख बनाने से कार्यकर्ता कितना खुश रहेगा वह अपने बाद कांग्रेस में शामिल हुए नेता के निर्देश पर कितना सक्रिय होकर काम करेगा यह बड़ा सवाल है। वैसे परिणाम जो भी आए विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी के लिए बात श्रेय की आयेगी तो दानिश रफीक के सर सेहरा सजेगा और यदि परिणाम उलटा आया आरोप कैडर कांग्रेसियों पर लगेगा कुल मिलाकर कैडर कांग्रेसी क्या करे वह बड़ी असमंजस में है जो अंदरखाने की खबर है।

मुस्लिम मतदाताओं पर पूरी पकड़ बनाने दानिश रफीक को बुलाया गया बैकुंठपुर

सूत्रों की माने तो मुस्लिम मतदाताओं को पूरी तरह अपने पक्ष में करने के लिए दानिश रफीक को बैकुंठपुर बुलाया गया है,दानिश रफीक मुस्लिम मतदाताओं से दिनभर मुलाकात कर रहे हैं रात में भी प्रयास कर रहे हैं जैसा बताया जा रहा है वह बड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका प्रमुख कार्य जिम्मेदारी ही मुस्लिम मतदाताओं को किसी भी हाल में अन्यत्र जाने देना नहीं है।

खुलकर पहली बार नजर आए प्रचार अभियान में,पटना क्षेत्र में भी हुए सक्रिय

दानिश रफीक पटना क्षेत्र में खुलकर अब प्रचार अभियान में जुट गए हैं,वह पटना क्षेत्र के उन सभी जगहों पर पहुंच रहे हैं जहां मुस्लिम मतदाता आबादी रहती है,बैकुंठपुर के कुछ मुस्लिम आबादी क्षेत्र में वह अपना प्रचार कर चुके और अब वह पटना क्षेत्र में प्रचार में खुलकर सामने आ चुके हैं। उनके आने का प्रभाव भी नजर आने लगा है मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में उनका ही आहवान मुस्लिम मतदाताओं को देर शाम तक मौहारी मैदान में रोकने कारगर साबित हुआ था जो सूत्रों का कहना है, जहां मुस्लिम मतदाता अपने साधनों से पहुंचे भी थे उन्हे वाहन की भी व्यवस्था नहीं दी गई थी जबकि अन्य को दी गई थी।

कांग्रेस प्रत्याशी के सबसे विश्वासपात्र हैं दानिश रफीक,टिकट से लेकर जीत तक की गारंटी ली है दानिश रफीक ने...सूत्र

सूत्रों की माने तो बैकुंठपुर की कांग्रेस प्रत्याशी को दानिश रफीक पर सबसे ज्यादा विश्वास है,उनके टिकट से लेकर उनकी जीत तक की सभी जिम्मेदारी दानिश रफीक की है यह सूत्रों का कहना है,स्थानीय कांग्रेसियों में जिलाध्यक्ष के अलावा कांग्रेस प्रत्याशी किसी कांग्रेसी पर विश्वास नहीं कर पा रही हैं यह भी सूत्रों का ही दावा है।

कांग्रेस के कैडर कार्यकर्ता काम तो कर रहे हैं,लेकिन उन्हे भी आभास हो चुका है उन्हे जीत का श्रेय मिलने वाला नहीं है

कांग्रेस के कैडर कार्यकर्ता भी जान चुके हैं जैसा बताया जा रहा है की उन्हे प्रत्याशी की जीत की स्थिति में श्रेय बिल्कुल नहीं मिलने वाला। कार्यकर्ताओं को हर स्थिति में विश्वास योग्य नहीं मानकर चला जा रहा है जैसा देखने को भी मिल रहा है। कार्यकर्ता मेहनत कर रहा है और दिल से कर रहा है लेकिन भविष्य में जीत दर्ज होने की स्थिति में उसकी स्थिति भी पिछली जीत के कारण बने कार्यकर्ताओं जैसी होगी यह वह मानकर चल रहे हैं,फिर भी वह यह जानकर भी इसलिए काम कर रहे हैं की जाए तो जाएं कहां।

मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम कांग्रेस नेता के होटल में नहीं कराना भी साबित कर गया कांग्रेसी नेताओ पर से कांग्रेस प्रत्याशी का विश्वास कम हुआ

मुख्यमंत्री का बैकुंठपुर रात्रि विश्राम कांग्रेस के बड़े नेता के होटल की बजाए शहर के एक अन्य होटल में तय किया गया। इसके पीछे की वजह यह मानी गई की प्रत्याशी को कांग्रेस नेता के होटल में मुख्यमंत्री का रुकना पसंद नहीं था उनकी कुछ रणनीति बाहर जाने का उन्हे भय था जिसकी वजह से अन्य होटल में मुख्यमंत्री को रात्रि विश्राम कराया गया। वैसे कई कांग्रेस नेता जो कांग्रेस प्रत्याशी के खास हैं वह कांग्रेस नेता के होटल में रुकना नहीं चाह रहे हैं जो भी सूत्रों का कहना है

गृहमंत्री अमित शाह आज जिले के ओपन थियेटर घंटाघर में आमसभा को करेंगे संबोधित

-संवाददाता-
कोरबा,14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

देश के गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को कोरबा प्रवास पर होंगे। वे ओपन थिएटर घंटाघर में विशाल सभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को लेकर भाजपाई उत्साहित है। पदाधिकारी व कार्यकर्ता सभा को सफल बनाने जोर शोर से तैयारी में जुट गए हैं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं श्री अमित शाह के आम सभा के कार्यक्रम प्रभारी श्री विकास महतो ने सभा के संबंध में बताया कि देश के यशस्वी गृह मंत्री अमित शाह बुधवार की दोपहर करीब 12:30 बजे हेलीपैड पहुंचेंगे । जहां से वे सीधे ओपन थिएटर घंटाघर प्रस्थान करेंगे। यहां कोरबा के भाजपा प्रत्याशी लखन लाल देवांगन के पक्ष में आयोजित आमसभा में शिरकत करेंगे । कार्यक्रम के प्रभारी श्री विकास महतो ने आगे बताया कि देश के गृह मंत्री के रूप में उन्होंने जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाया, ट्रिपल तलाक जैसे महिलाओं के ऊपर होने वाले अत्याचार से मुस्लिम महिलाओं को मुक्ति दिलाई और ऐसे अनगिनत कार्य किये जिसके कारण लोगों के हृदय में उनका एक अद्वितीय स्थान है। जिला अध्यक्ष श्री राजीव सिंह ने बताया कि गृह मंत्री के सभा को सफल बनाने पार्टी के पदाधिकारी व तमाम कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। इस सभा में 15000 से अधिक नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद उन्होंने जताई है।आमसभा के पश्चात वे 2.40 बजे कोरबा से गंतव्य के लिए रवाना होंगे।

ऑब्ज़र्वर ने थाना-चौकी का अवलोकन कर सुरक्षा संबंधी दिया आवश्यक निर्देश

-संवाददाता-
कोरबा,14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कोरबा जिले में निर्वाचन 2023 के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक और पुलिस प्रेक्षक ने आज शहर के थाने और चौकियों का आकस्मिक निरीक्षण किया। कोरबा और रामपुर विधानसभा के प्रेक्षक श्री प्रियतु मंडल तथा पुलिस प्रेक्षक श्री सी वेंकटा सुब्बा रेड्डी ने थाना दर्री, थाना कोतवाली,चौकी मानिकपुर , थाना सिविल लाइन और चुनाव संपन्न कराने आई विभिन्न बटालियन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मतदानकेन्द्रों सहित अन्य स्थानों में सुरक्षा सहित अन्य बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश दिए।

मतदान केन्द्रों में प्रस्तुत किए जाने वाले पहचान पत्र

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सूरजपुर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को मतदान केन्द्रों में वोट देने के लिए पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। जिसके लिए मतदाता एपिक कार्ड के अलावा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक व डाकघर द्वारा जारी फोटोग्राफ युक्त पास बुक, श्रम मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य बीमा स्कीम के तहत जारी स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (आरजीआई) द्वारा नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (एनपीआर) के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोग्राफ युक्त पेंशन दस्तावेज एवं केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, पीएसयूएस, पब्लिक लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी को जारी किया गया। फोटोग्राफ युक्त सेवा पहचान पत्र व एमपीएस, एमएलएएस, एमएलसीएस को जारी किया गया अधिकारिक पहचान पत्र तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी यूडीआईडी कार्ड मतदान केन्द्र में प्रस्तुत कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

जिला विभाजन के आंदोलन के वक्त सीएम ने क्यों कहा की कोरिया संभाग नही बन सकता...हार की बौखलाहट में की घोषणा ?:भईयालाल राजवाड़े

भाजपा बनाएगी कोरिया जिले को संभाग,बैकुंठपुर विधायक का है विरोध कमीशन लेने का उन पर लगाया आरोप भईयालाल राजवाड़े ने...घोषणा पत्र में शामिल क्यों नही था मुद्दा..विधायक की कोई उपलब्धि नहीं..केवल कमीशनखोरी में लिप्त

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े ने मुख्यमंत्री की कोरिया जिले को संभाग बनाने की घोषणा को लेकर कहा है की मुख्यमंत्री को संभाग ही बनाना था तो उस समय उन्होंने संभाग क्यों नहीं बनाया जब उनसे मिलने नाराज कोरिया वासी उनके पास गए थे तब उन्होंने साफ मना कर दिया था, आज जब उन्हे हार का डर सता रहा है नई नई घोषणा कर रहे हैं, भईयालाल राजवाड़े ने यह भी कहा की कांग्रेस के घोषणा पत्र में न तो 15000 वार्षिक महिलाओं के लिए कोई घोषणा है न ही संभाग की ही कोई घोषणा है,वर्तमान में जब आचार संहिता लगी हुई है मुख्यमंत्री हार के डर से कुछ भी घोषणा कर रहे हैं। भईयालाल राजवाड़े ने यह भी कहा की उन्होंने शर्त पर संभाग की घोषणा की है क्योंकि उन्हे मालूम है की वह हार रहे हैं।

कोरिया के असंतुलित विभाजन को लेकर भी भईयालाल रजवाड़े ने बयान दिया है उन्होंने कहा है की आज भी संपूर्ण कोरिया का पूरा नक्शा तय नहीं है,पोड़ी बचरा कहां जायेगा यह भी तय नहीं है,केवल झूठ बोलने का काम कर रहे हैं मुख्यमंत्री,उन्होंने कहा की शिक्षाकर्मियों को नियमित हमारी सरकार ने किया है,बड़े निर्णय हमारी सरकार ले सकती है अभी भी हमने कर्मचारियों के लिए घोषणा की है उसे हम पूरा करके दिखाएंगे। भईयालाल राजवाड़े ने यह भी कहा की किसान सम्मान महिलाओं का सम्मान सबसे पहले भाजपा ने सोचा है,70 साल तक कांग्रेस को न किसान की चिंता आई न महिलाओं की न ही कर्मचारियों की। उन्होंने यह भी कहा हमने जो कहा है किया है कांग्रेस ने अपने ही पिछले घोषणा पत्र के वादे को पूरा नहीं किया है विधायकों पर पांच साल तक कमीशन लेने का आरोप लगता रहा है जनता जान चुकी है और वह इनके झांसे में नहीं आने वाली।

घोषणा की हम स्वागत करते हैं...लेकिन कांग्रेस ने इसे घोषणा-पत्र में शामिल क्यों नही किया ?

भारतीय जनता पार्टी से बैकुंठपुर प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े ने आज भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरिया को संभाग बनाने की घोषणा की हम इसका स्वागत करते हैं, लेकिन कांग्रेस ने इसे घोषणा पत्र में शामिल क्यों नही किया। सीधी बात है की कोरिया में कांग्रेस की हार के डर से मुख्यमंत्री ने संभाग की घोषणा की है भाजपा प्रत्याशी भैया लाल राजवाड़े ने कहा कि जब कोरिया जिले के विभाजन के मुद्दे को लेकर शहर के लोग आंदोलन कर रहे थे और मुख्यमंत्री से संभाग बनाने की मांग की थी, तब उन्होंने साफ कह दिया था कि कोरिया को संभाग नहीं बनाया जा सकता हमारे पास स्टाफ की बेहद कमी है। उन्होंने कहा कि कोरिया जिले को संभाग जरूर बनाए उन्होंने कहा कि जिला का बंटवारा इतना संतुलित किया है, जिस पर मुख्यमंत्री ने कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया बैकुंठपुर विधायक ने भी जिले के असंतुलित विभाजन के लिए कोई प्रयास नहीं किया। आज बचरा पोड़ी के लोग अधर में लटके हैं, राजस्व के लिए कोरिया और ग्राम पंचायत तथा थानों के काम के लिए उन्हें 80 किलोमीटर दूर मनेंद्रगढ जाना पड़ता है। भैयालाल राजवाड़े ने कहा कि आज चुनाव में स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव जहां भी जाती है उन्हें ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ता है क्योंकि उन्होंने 5 साल किसी भी गांव में अपना चेहरा नहीं दिखाया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक ने सिर्फ कमीशन लेने पर ही ध्यान दिया है। आज स्थिति यह है कि विधायक या उनकी बहन जहां भी वोट मांगने जा रहे हैं, उन्हें गांव वालों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

पुरानी घोषणा पूरा नहीं हुआ और नई घोषणा फिर

भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए संभाग बनाने की घोषणा तो कर दी है, लेकिन जिले का जो विभाजन हुआ उसमें भी एमसीबी अभी तरह पूरी तरह विकसित जिला नहीं हो पाया है। आज भी कोरिया जिले से कई कार्यालय संचालित हो रहे हैं उन्होंने कहा कि महिलाओं को 1500 देने की जो घोषणा की गई थी, वह घोषणा पत्र में शामिल क्यों नहीं किया गया। सीधी बात है कि हार के डर से अब लुभावने वादे मुख्यमंत्री कर रहे हैं। लेकिन ये वादे जब घोषणा पत्र में शामिल नहीं है तो जनता इनकी बातों का विश्वास कैसे कर सकती है। उन्होंने कहा कि गोबर खरीदी कर 10 में घटिया वर्मी कंपोस्ट खाद किसानों को खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भैया लाल राजवाड़े सहज, सरल, उपलब्ध रहते हैं, लोगों की मदद करते हैं। उन्होंने साफ कहा कि यहां की जनता अंबिका सिंहदेव की एक भी उपलब्धि नहीं बता सकती। प्रेस वार्ता के दौरान भानु पाल, पंकज गुप्ता, राजेश साहू, विमल कांत गुप्ता, कुबेर साहू सहित अनेक भाजपाई उपस्थित रहे।

घरेलू जमीन पर टीम इंडिया का पलड़ा भारी

» **दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड्स**

मुंबई,14 नवम्बर 2023। आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड कप 2023 का पहला सेमीफाइनल का मुकाबला खेला जाएगा। वहीं ये मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया इस मैच को जीतकर वर्ल्ड कप 2019 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहेगी। न्यूजीलैंड पिछले कुछ सालों में इंडिया के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट में अपने अजेय बढ़त को कायम रखना चाहेगी। वहीं भारत बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले में कीवी बल्लेबाजों और भारतीय गेंदबाजों के बीच घमासान देखने को मिलेगा। आइए एक नजर डालते हैं दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड्स पर।

क्या है हेड टू हेड रिकॉर्ड्स

भारत की सरजमीं पर भारतीय टीम और न्यूजीलैंड के बीच कुल 39 बार मैच खेले गए हैं। जिसमें न्यूजीलैंड को 30 बार हार झेलनी पड़ी है। वहीं, कीवी टीम भारत में टीम इंडिया से महज 8 मैच ही जीत पाई है। दूसरी तरफ भारत और न्यूजीलैंड के बीच कुल 117 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 59 तो न्यूजीलैंड ने 50 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला टाई भी रहा जबकि 7 मैच बेनतीजा रहे। दूसरी ओर वर्ल्ड कप में दोनों टीम के बीच कुल 10 मैच खेले गए हैं। जिसमें न्यूजीलैंड ने 5 बार जीत दर्ज की थी जबकि भारत को 4 मैचों में जीत मिली।

एक बार फिर ये दोनों ही टीमें भिड़ेंगी। जहां सभी की नजरें कप्तान रोहित शर्मा पर टिकी होंगी। रोहित शर्मा को शुबमन गिल के साथ मिलकर टीम इंडिया को बेहतरीन शुरुआत देनी होगी। दूसरी ओर टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपना 50वां वनडे इंटरनेशनल शतक मारना चाहेंगे। दूसरी ओर टीम की गेंदबाजी यूनिट भी बेहतरीन है। शमी, रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों से पार पाना कीवी बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा।

भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच देख सकते हैं डेविड बेकहम, सचिन तेंदुलकर भी करेंगे शिरकत

वर्ल्ड कप 2023 अपने अंतिम पड़ाव पर है, इस बीच इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर डेविड बेकहम के भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच देखने की संभावना है। दरअसल, बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए कई हस्तियां अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकती हैं। वहीं इस मैच को देखने सचिन तेंदुलकर भी आएंगे।

भारतीय सेना के डॉक्टर ने रचा इतिहास

50वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य खेल प्रतियोगिता में जीते 5 स्वर्ण पदक

नई दिल्ली ,14 नवम्बर 2023। राष्ट्रपति भवन में प्रेसिडेंट्स बॉडी गार्ड्स में तैनात भारतीय सेना मेडिकल कोर के अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल संजीव मलिक ने कोलंबिया में 42वें विश्व चिकित्सा और स्वास्थ्य खेलों में पांच स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 800 मीटर, 1,500 मीटर, 3,000 मीटर, 5,000 मीटर और क्रॉस-कंट्री स्पर्धाओं में उनकी जीत उन्हें 2023 में यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र एथलीट और 1978 में खेल शुरू होने के बाद से कुछ चुनिंदा एथलीटों में से एक बनाती है। विश्व चिकित्सा और स्वास्थ्य खेल जिसे अक्सर स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए ओलंपिक खेल माना जाता है, चिकित्सा समुदाय के भीतर सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक खेल आयोजन के रूप में विकसित हुआ है। 1978 की विरासत के साथ खेल हर साल 50 से अधिक विभिन्न देशों के 2,500 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित करते हैं।ये स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर ओलंपिक के मूल मूल्यों को कायम रखते हुए, व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से, लगभग बीस खेल विषयों में संलग्न हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल संजीव की सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत उत्कृष्टता को उजागर करती है, बल्कि विश्व स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के समर्पण को भी दर्शाती है, जो एथलेटिक उपलब्धियों के साथ अपनी चिकित्सा विशेषज्ञता को भी ध्यान में रखते हैं। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह ने लेफ्टिनेंट कर्नल मलिक को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी है।

प्रमोद भगत ने जापान पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली ,14 नवम्बर 2023। पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और भारत के सबसे प्रतिष्ठित बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हाल ही में संपन्न हुलिक दाइहात्सू जापान पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 में एसएल3 एकल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया।

शीर्ष शटलर ने भारत के मनोज सरकार को सीधे सेटों में हराया

प्रमोद भगत ने मैच में अच्छी शुरुआत की और पहला सेट 21-16 के स्कोर के साथ जल्दी ही अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में मनोज ने जोरदार वापसी की लेकिन प्रमोद के पास मनोज द्वारा दी गई चुनौतियों का हर जवाब था। प्रमोद ने दूसरा सेट 21-19 से जीता। यह मुकाबला 38 मिनट तक चला और अंतिम स्कोर 21-16 और 21-19 रहा।

मिश्रित युगल में प्रमोद भगत और मनीषा रामदास यांग जियानयुआन और यांग किउ ज़िया की चीनी जोड़ी से 3-सेटर के कठिन मुकाबले में हार गए, अंतिम स्कोर 21-14, 15-21 और 21-16 से चीनी टीम के पक्ष में रहा।

दूसरी ओर सुकांत कदम सेमीफाइनल में मलेशिया के मोहम्मद अमीन बुरहानुद्दीन से हार गए और एकल एसएल4 वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। यहां तक कि तरूण ने भी उसी वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

पारस म्हाम्ब्रे ने कहा,भारत की गेंदबाजी इकाई एक संपूर्ण पैकेज

मुंबई ,14 नवम्बर 2023। विश्व कप 2023 की प्रारंभिक लीग में भारत का प्रभावी प्रदर्शन काफी हद तक उसकी गेंदबाजी इकाई के कारण है, जिसने हर मैच में विपक्षी टीम को दबाव में रखा है। बेशक रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने बल्ले से खूब रन बनाए हो। लेकिन, यह गेंदबाज ही हैं जिन्होंने भारत को नौ मैचों में नौ जीत के साथ लीग चरण सबसे आगे रखा। यह पहली बार है जब भारत विश्व कप में ऐसा करने में सफल हुआ है। भारतीय गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह (15.64 की औसत से 17 विकेट), मोहम्मद सिराज (28.83 की औसत से 12 विकेट), मोहम्मद शमी (9.56 की औसत से 16 विकेट), रवींद्र जडेजा (18.25 की औसत से 16 विकेट) और कुलदीप यादव ने (22.28 की औसत से 14 विकेट) का दमदार प्रदर्शन किया है। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि गेंदबाजी इकाई एक संपूर्ण पैकेज है और किसी भी सतह पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम है।आईसीसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में म्हाम्ब्रे के हवाले से कहा, विभिन्न कौशल के संदर्भ में, हमारे पास हमारे सामने आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है।

एटीपी फाइनल:कार्लोस अलकराज पदार्पण पर अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए

ट्यूरिन ,14 नवम्बर 2023। एटीपी फाइनल्स में अपने पदार्पण में कार्लोस अलकराज को दो बार के चैंपियन जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पैनियार्ड के खिलाफ 6-7(3), 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। .

ज्वेरेव प्रतिष्ठित वर्ष के अंत के आयोजन में अपनी छठी उपस्थिति बना रहे हैं, उन्होंने 2021 में ट्यूरिन और 2018 में लंदन में अपने पिछले मुकाबले में खिताब जीता था।

एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मन खिलाड़ी ने अल्कराज के खिलाफ अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया और सोमवार को रेड ग्रुप प्ले में अपनी सर्विस और बेसलाइन पर संयम बनाए रखते हुए 1-0 की बढ़त बना ली।

पहले सेट में ब्रेक का फायदा गंवाने के बाद, वर्ल्ड नंबर 7 सकारात्मक रहा, दूसरे और तीसरे सेट में उसकी गहराई और निरंतरता के कारण अलकाराज़ के लिए परेशानी खड़ी हो गई।

27 वर्षीय ज्वेरेव ने अपने पहले पाओ

के 79 प्रतिशत (59/75) अंक जीते और तीसरे सेट में अपने बाएं टखने पर भारी गिरावट से उबरते हुए जोड़ी के एटीपी हेड-टू-हेड में 4-3 का सुधार किया। दो घंटे और 32 मिनट के बाद श्रृंखला।

राफेल नडाल के खिलाफ 2022 रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल के दौरान दाहिने टखने की चोट के कारण ज्वेरेव पिछले साल के आयोजन में नहीं खेल पाए थे। वह सोमवार को अपने बाएं टखने पर गिरने के बाद अलकराज के साथ अपने संघर्ष के बाद के चरणों में अंकों के बीच सावधानी से चले, लेकिन निट्टो एटीपी फाइनल में 13-8 तक सुधार जारी रखा।

अल्काराज़ सीज़न के अपने सातवें खिताब का पीछा कर रहे हैं और जुलाई में विंबलडन में अपनी दूसरी बड़ी ट्रॉफी जीतने के बाद यह पहला खिताब है।

20 वर्षीय खिलाड़ी, जो चोट के कारण पिछले साल की प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया था, आठ सदस्यीय क्षेत्र में सबसे कम उम्र का खिलाड़ी है और 1991 में पीट सैम्प्रास के बाद एटीपी फाइनल में सबसे कम उम्र का चैंपियन बनने की कोशिश कर रहा है। राउंड-रॉबिन के कारण प्रारूप, वह अभी भी ट्यूरिन में जीवित है।

एफआईएच हॉकी पुरूष जूनियर विश्व कप की कमान संभालेंगे भारत

कुआलालम्पुर,14 नवम्बर 2023। प्रतिभाशाली फॉरवर्ड उत्तम सिंह पांच से 16 दिसंबर तक कुआलालम्पुर में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरूष जूनियर विश्व कप में भारत की कमान संभालेंगे ।

मौजूदा एशियाई चैम्पियन भारत को पूल सी में कनाडा, दक्षिण कोरिया और स्पेन के साथ रखा गया है । भारत को पांच दिसंबर को कोरिया से पहला मैच खेलना है ।

भारतीय टीम सात दिसंबर को स्पेन से और नौ दिसंबर को कनाडा से खेलेगी ।

भारत पिछली बार टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहा था और कोच सी आर कुमार ने कहा है कि इस बार उनकी टीम पूरी तरह से तैयार है ।

डाइनामाइट न्यूज़ संवाददाता के अनुसार उन्होंने कहा ,'' हमारे पास मजबूत टीम है । हम 2016 जूनियर विश्व कप विजेता टीम से प्रेरणा लेंगे । हमारे पास अनुभवी खिलाड़ी हैं जो भुवनेश्वर में पिछला जूनियर विश्व कप खेल चुके हैं । वे नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे और साथी खिलाड़ियों के मेंटोर होंगे । हमारा लक्ष्य जूनियर विश्व कप जीतना है और हम इसके लिये कोई कसर नहीं छोड़ेंगे ।''

पूल ए में गत चैम्पियन अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया है जबकि पूल बी में मिस्र , फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका हैं । पूल डी में बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हैं ।

भारतीय टीम =

गोलकीपर : मोहित एचएस, रणविजय सिंह यादव

डिफेंडर : शारदानंद तिवारी , अमनदीप लाकड़ा, रोहित, सुनील जोजो, आमिर अली

मिडफील्डर : विष्णुकांत सिंह, पूवन्ना सीबी, राजिंदर सिंह,अमनदीप, आदित्य सिंह

फॉरवर्ड : उत्तम सिंह (कप्तान), आदित्य लालागे, अराइजीत सिंह हुंडल, सौरभ आनंद कुशवाहा, सुदीप चिरमाको, बॉबी सिंह धामी ।रिजर्व : सुखविंदर, सुनीत लाकड़ा।

लेवांडोव्स्की के डबल ने एफसी बार्सिलोना को ला लीगा में अलावेस पर वापसी दिलाई

बार्सिलोना,14 नवम्बर 2023। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने शुरुआती गोल खाने के बाद वापसी करते हुए रविवार को ला लीगा में कमज़ोर अलावेस को 2-1 से हरा दिया और सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले तीन मैचों में दो हार के बाद स्पेनिश दिग्गजों को बचाया।

बार्सा 30 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, दूसरे स्थान पर रियल मैड्रिड से दो अंक पीछे है और आश्चर्यजनक रूप से अग्रणी गिरोना से चार अंक पीछे है।

अलावेस के 19 वर्षीय स्ट्राइकर सामू ओमोरोडियन ने बार्सा को तब चौंका दिया जब उन्होंने किकऑफ के 18 सेकंड बाद एक त्वरित जवाबी हमले के बाद क्लोज-रेंज स्ट्राइक के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की।

यह गोल इल्के गुंडोगन की गलती के बाद हुआ, जिन्होंने मिडफील्ड में गेंद खो दी थी और मेजबान टीम भाग्यशाली थी कि ब्रेक के समय वह सिर्फ एक गोल से पिछड़ रही थी।

आधे-खाली बार्सिलोना ओलंपिक स्टेडियम में, कैंप नोउ के नवीकरण के तहत, चैंपियन को गेंद पर खराब नियंत्रण और खराब पास के बीच शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा, जिससे अलावेस को कम से कम चार बार अपनी बढ़त बढ़ाने का मौका मिला।

हालाँकि, फिजूलखर्ची करने वाले दर्शकों ने कई मौके गंवाए, जिसमें 30वें मिनट में सैमू द्वारा क्लोज-रेंज से किया गया एक बेहतरीन सिटर भी शामिल है, जिसने डिफेंडर जूल्स कौंडे से गेंद चुराई, लेकिन पॉइंट-ब्लैंक रेंज से अच्छी तरह से फायर किया।

कौंडे द्वारा एंडोनी गोरोसाबेल को एक और गेंद उपहार में देने के बाद, जिन्होंने अलावेस के लिए एक बड़ा मौका भी गंवा दिया, बार्सा के मैनेजर ज़ावी हर्नांडेज़ ने कौंडे को अपनी स्थिति को सेंटर-बैक से राइट फुलबैक में बदलने का आदेश दिया और इस कदम का मेजबान टीम को फायदा मिला।

जैसे ही वे दूसरे हाफ में शीर्ष पर वापस आए, लेवांडोव्स्की ने 52वें मिनट में दाईं ओर से फ्रांसीसी डिफेंडर के एक सटीक क्रॉस पर एक विशाल हेडर के साथ बराबरी कर ली।

बार्सा ने खेल पर नियंत्रण कर लिया और 77वें मिनट में अलावेस के डिफेंडर अब्देलकाबीर अबकार ने राफिन्हा को बॉक्स के अंदर फाउल कर दिया और लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी को गोल में बदलकर तीन अंक सुरक्षित कर लिए।

ज़ावी ने मीडिया से कहा, ÷हमें अपने पल के बारे में सचेत रहने और आत्म-आलोचना करने की ज़रूरत है, हम हाल ही में अच्छी फुटबॉल नहीं खेल रहे हैं और आगे चलकर इसमें सुधार करने की ज़रूरत है।÷

ऑस्ट्रेलियाई क्लब क्रिकेटर गैरेथ मॉर्गन ने छह गेंदों में छह विकेट लेकर मैच जीत लिया

ब्रिस्बेन,14 नवम्बर 2023। ऑस्ट्रेलिया के तीसरे दर्जे के क्रिकेटर ने ब्रिस्बेन के दक्षिण में गोल्ड कोस्ट में छह गेंदों में अविश्वसनीय छह विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

गैरेथ मॉर्गन ने गोल्ड कोस्ट प्रीमियर लीग डिवीजन तीन में सर्फ़र्स पैराडाइज़ के खिलाफ मुदगीराबा नेरंग और डिस्ट्रिक्ट्स क्रिकेट क्लब की कप्तानी की, जब उन्होंने मैच के अंत में सभी छह विकेट लिए।

कैरेरा कम्युनिटी सेंटर स्थल पर सर्फ़र्स पैराडाइज ने चार विकेट के नुकसान पर 174 रन बना लिए थे और उसे जीत के लिए पांच रनों की जरूरत थी।मॉर्गन ने कहा कि उन्होंने अपने किसी युवा गेंदबाज को गेंद देने पर विचार किया, लेकिन फिर सोचा मैं गेंदबाजी करूंगा; वे मुझे विजयी रन दिला सकते हैं, इस युवा गेंदबाज को इसकी जरूरत नहीं है।÷

ओपनर जेक गारलैंड ने हिट के साथ गेम जीतने की कोशिश में 65 रन पर मिडविकेट पर कैच लिया। गोल्ड कोस्ट बुलेटिन अखबार के पत्रकार गारलैंड ने दोपहर के बारे में शीर्षक के साथ लिखा मैं छह गेंदों के महाकाव्य में भाग लेने वाला पहला व्यक्ति था। मोर्गन को हैट्रिक देने के लिए कॉनर मैथेसन और सर्फर्स के कप्तान माइकल कर्टिन को लेग साइड पर कैच कराया गया।

मॉर्गन ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प को बताया, मुझे याद है कि हैट्रिक बनाने के बाद मैंने सोचा था कि मैं अब यह गेम नहीं हारना चाहता। वेड मैकडॉगल को प्वाइंट पर पकड़ा गया और रिले एकर्सली और ब्रॉडी फेलन को बोल्ड कर दिया गया, जिससे नॉन-स्ट्राइकर दूसरे छोर पर फंस गया और मैच खत्म हो गया। मोर्गन ने कहा, जब मैंने आखिरी गेंद पर स्टंप्स को वापस जाते देखा तो मुझे विश्वास ही नहीं हुआ; मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था।÷ ÷हर कोई पागल हो रहा था। यह अविश्वसनीय था, मुझे नहीं लगता कि कोई भी विश्वास कर सकता था कि क्या हुआ था।

किसी पेशेवर क्रिकेट प्रतियोगिता में लिए गए सर्वाधिक विकेट पांच हैं, जो तीन बार हासिल किए गए2011 में ओटागो के लिए न्यूजीलैंड के नील वैगनर; 2013 में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के लिए अल-अमीन हुसैन; और 2019 में भारतीय राज्य कर्नाटक के लिए अभिमन्यु मिथुन। इस खबर को स्थानीय स्तर पर प्रमुख टेलीविजन उपचार मिला, लेकिन यह भारत और इंग्लैंड जैसे देशों में वेबसाइटों और प्रकाशनों तक भी पहुंच गया, जहां क्रिकेट बेहद लोकप्रिय है।

कड़क सिंह से पंकज त्रिपाठी की पहली झलक आई सामने

हिंदी सिनेमा के दमदार कलाकारों के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें पंकज त्रिपाठी का नाम जरूर शामिल होगा। हाल ही में सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 में अपनी शानदार अदाकारी का जलवा दिखाने वाले पंकज आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

इस बीच पंकज त्रिपाठी की अपकमिंग फिल्म कड़क सिंह का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर के सामने आने के बाद पंकज त्रिपाठी का नाम चर्चा का विषय बन गया है।बतौर अभिनेता पंकज त्रिपाठी हिंदी सिनेमा के वो कलाकार हैं, जो अपने अभिनय की शानदार छाप हर फिल्म में छोड़ते हैं। फैंस पंकज त्रिपाठी को फिल्मों में देखना काफी पसंद करते हैं फिर चाहे वो साइड रोल में हो या फिर लीड भूमिका में।अमेजन प्राइम वीडियो की पॉपुलर वेब सीरीजी मिर्जापुर से कालीन भइया के रूप में फैंस का दिल जीतने वाले पंकज आने वाले समय में फिल्म कड़क सिंह से धमाल मचाएंगे। इस मूवी का फर्स्ट लुक पोस्टर मेकर्स की तरफ से शेयर कर दिया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने कड़क सिंह के इस लेटेस्ट पोस्टर को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया है।इस पोस्टर के कैप्शन में लिखा है- कहानियां कई लेकिन सच सिर्फ एक क्या कड़क सिंह झूठ की तलाश करने में सफल होगा। पंकज त्रिपाठी के इस पोस्टर से साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि कड़क सिंह एक सस्पेंस थ्रिलर होने वाली है।दरअसल फिल्म कड़क सिंह में एक्टर पंकज त्रिपाठी वित्तीय अपराध विभाग के ऑफिसर की भूमिका को निभा रहे हैं, जिसका नाम एके श्रीवास्तव है। इस फिल्म में पंकज तमाम घोटालों का पर्दाफाश करते हुए नजर आएंगे। मूवी कड़क सिंह का डायरेक्शन मशहूर निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया है। हालांकि अभी इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है।

सत्यभामा का धमाकेदार टीजर रिलीज, सख्त पुलिस अफसर के किरदार में काजल अग्रवाल ने किए खतरनाक स्टंट

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल की अपकमिंग फिल्म सत्यभामा का धमाकेदार टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें एक्ट्रेस सख्त पुलिसकर्मी और नारी शक्ति की एक नई इमेज लेकर आ रही हैं। टीजर में, काजल एसीपी सत्यभामा के किरदार में हैं, जिसे सस्पेंड किया जाता है। दरअसल, जिस व्यक्ति की एसीपी को रक्षा करनी थी, उसकी लाश उनके ही कार के अंदर पाई जाती है। इस घटना के बाद उन्हें कानूनी तौर पर सस्पेंड कर दिया जाता है।

पहले से कहीं अधिक दृढ़, काजल अब अकेले ही अपराधियों को खत्म कर रही है। उन्हें एक फ्यूरियस फाइटर के रूप में दिखाया गया है जो किसी भी तरह के हमलावर से मुकाबला कर सकती हैं। टीजर में हत्यारे का पीछा करते हुए एनकाउंटर सीन को भी दिखाया गया है।

प्रेस ने उनसे पूछा कि क्या मामले से उनके सस्पेंड का मतलब यह है कि मामला खत्म हो गया है, तो उन्होंने गुस्से में जवाब दिया, कभी नहीं।

रोमांच, रहस्य और एक्शन से भरपूर, सत्यभामा नारी शक्ति के साथ-साथ एक मनोरंजक और टाइट नैरेटिव दोनों पर केंद्रित है। यह फिल्म एक क्राइम-थ्रिलर है, जिसमें बहुत सारे टिपिकल मसाला एलिमेंट्स हैं।

सुमन चिक्कला द्वारा निर्देशित और लिखित, सत्यभामा में काजल अग्रवाल, नवीन चंद्रा, प्रकाश राज, नागिनेदु, हर्षवर्द्धन, रवि वर्मा, अंकित कोय्या, संपदा एन, प्रज्वल यादमा, नेहा पठान, अनिरुद्ध पवित्रन, सत्या प्रदीप्ति, रोहित सत्यन, कोदाती पवन शामिल हैं। कल्याण मुख्य भूमिका में हैं।

म्यूजिक श्रीचरण पकाला ने कंपोज किया है और स्क्रीनप्ले शशि किरण टिक्का ने तैयार किया है। सत्यभामा 2024 में रिलीज होगी।

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए डा. रमनसिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर किया कटाक्ष

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दारूवाला कका कहा

गरियाबंद,14 नवम्बर 2023 (ए)। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए डा. रमनसिंह ने कहा कि बिंद्रानवागढ़ और झाखर पारा जाकर देखिए फर्क दिख जाएगा। यहां की जनता ने भाजपा और मुझे आशीर्वाद दिया है। मुझे चावल वाले बाबा के रूप में जानती है।

लेकिन भूपेश बघेल को दारू वाला बाबा के रूप में जानती है।भूपेश ने कोयला चावल, दारू और गोबर में भी पैसा कमाया और जमकर भ्रष्टाचार किया है। भूपेश बघेल की पहचान दारू वाले कका के रुप में होती है। जन घोषणा पत्र में विकास के कार्य करूंगा लिख के दिया था। पूर्व शराब बंदी, बेरोजगारी भत्ता। दो साल का बोनस, महिलाओं को 500 रुपए प्रति माह देने का वादा किया था।

बिंद्रानवागढ़ विधानसभा के झाखर पारा में विशाल जन समूह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा -भूपेश बघेल ने लालू यादव का रिकॉर्ड तोड़ दिया उसने चारा घोटाला किया। इसने एक कदम आगे बढ़कर गोबर घोटाला कर लाल यादव को भी पीछे छोड़ दिया।

भूपेश बघेल की 21 दिनों में छुट्टी हो जायेगी। पीएम मोदी ने गरीब जनता के लिए 18 लाख मकान स्वीकृत किया है। मैं आपसे आशीर्वाद लेने आया हूं। भ्रष्टाचारियों के सरकार को बदलने का अवसर है। आपने रमन सरकार के 15 साल देखा है कोई आरोप नहीं लग पाया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद चंद्रशेखर साहू विधायक डमरू धार पुजारी वह क्षेत्र के संत के रूप में जाने जाने वाले बाबा उदयनाथ आदि अनेक लोग उपस्थित थे।मोदी जी ने महिलाओं को 12 हजार सालाना देने की गारंटी दी है। जिससे कांग्रेस डरी हुए है। भूपेश अब महिला का चिंता कर खोखली घोषणा कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी मिंज के बाद भाजपा प्रत्याशी विष्णुदेव पर एफआईआर दर्ज

जशपुर। कांग्रेस प्रत्याशी यूडी मिंज के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर चक्काजाम करने् पर आयोग ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है । जशपुर जिले के कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में सियासी पारा तेज होने के बाद आज भाजपा प्रत्याशी विष्णुदेव साय के नाम पर एफआईआर किया गया है। इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी यूडी मिंज के खिलाफ भी एफआईआर हुआ है। थाना प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि रिटर्निंग ऑफिसर की रिपोर्ट पर भाजपा प्रत्याशी विष्णुदेव व अन्य लोगों के द्वारा विधि विरुद्ध ढंग से थाने के सामने इकट्ठा होकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया. इस पर उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है।

पुलिस की इस कार्रवाई से साफ सन्देश है कि चुनाव के समय सभी प्रत्याशी व राजनैतिक दल शांति व्यवस्था बनाए रखें और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बिल्कुल भी ना करें।

राहुल गांधी आज छत्तीसगढ़ में

रायपुर,14 नवम्बर 2023 (ए)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं. राहुल 12 बजे माना विमानतल आएंगे। यहां से वे बेमेतरा जाएंगे। जहां 1 बजे बीटीआइ मैदान में आम सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद राहुल दोपहर को 2.50 बजे बलौदाबाजार स्टेडियम ग्राउंड में आमसभा को संबोधित करेंगे। सभा के बाद वे शाम 4.30 बजे माना विमानतल से दिल्ली वापस लौटेंगे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निवार्चन-2023 के अंतर्गत दूसरे चरण में 70 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए बुधवार 15 नवम्बर को शाम पांच बजे तक प्रचार-प्रसार का शोर थम जाएगा. मतदान की समाप्ति समय के 48 घंटे पूर्व से सार्वजनिक मंचों से प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित रहेगा। द्वितीय चरण के मतदान के दौरान प्रदेश के एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. इनमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता, 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं. सुगम मतदान सुनिश्चित करने के लिए कुल 18 हजार 833 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. इनमें से 700 संगवारी मतदान केंद्र हैं जहां सिर्फ महिला मतदान कर्मी ही पदस्थ रहेंगी।

70 विधानसभा क्षेत्रों में आज थमेगा प्रचार-प्रसार

रायपुर,14 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निवार्चन -2023 के अंतर्गत द्वितीय चरण में 70 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए बुधवार 15 नवम्बर को शाम पांच बजे तक प्रचार-प्रसार का शोर थम जाएगा। मतदान की समाप्ति समय के 48 घंटे पूर्व से सार्वजनिक मंचों से प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित रहेगा।

लेकिन इस दौरान प्रत्याशी घर-घर जाकर जनसंपर्क कर सकेंगे। द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें 827 पुरूष, 130 महिला और एक तृतीय लिंग हैं।

द्वितीय चरण के मतदान के दौरान प्रदेश के एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता, 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। सुगम मतदान सुनिश्चित करने के लिए कुल 18 हजार 833 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 700 संगवारी मतदान केंद्र हैं जहां सिर्फ महिला मतदान कर्मी ही पदस्थ रहेंगी।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में 17 नवम्बर को 70 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। इसके लिए सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। केवल बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ मतदान केंद्रों कामरभौदी, आमामोरा, ओढ, बड़े गोबरा, गंवरगांव, गरीबा, नागेश, सहबीनकछार और कोदोमाली में सवेरे सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान होगा। इनके अलावा बिन्द्रानवागढ़ के शेष मतदान केंद्रों में अन्य 69 विधानसभा क्षेत्रों की तरह सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे।

विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में भरतपुर-सोनहत, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अम्बिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार, मरवाही, कोटा, लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी, अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर, जैजैपुर, पामगढ़, सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार, भाटापारा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग, अभनपुर, राजिम, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा, कुरूद, धमतरी, संजारी-बालोद, डौंडीलोहारा, गुण्डरदेही, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर, अहिवारा, साजा, बेमेतरा और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे।

इस बार के विधानसभा में भाजपा के सभी बड़े नेता निपट रहे हैं:सीएम भूपेश बघेल

पाली,14 नवम्बर 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज प्रदेश के कोरबा जिले के प्रवास पर है। वहीं यहाँ के आरक्षित सीट पाली-तानाखार विधानसभा में उन्होंने एक चुनावी सभा को सम्बोधित किया और कांग्रेस उम्मीदवार दुलेश्वरी सिदार के पक्ष में वोट की अपील की। मिली जानकारी के अनुसार सभा को सम्बोधित करते हुए सीएम बघेल ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर प्रहार किया।

मुख्यमंत्री ने पीएम को जुमलेबाज़ करार दिया। बघेल ने दावा किया है कि इस बार के विधानसभा में भाजपा के सभी बड़े नेता निपट रहे है यानी हार रहे है। जहाँ तक कांग्रेस का सवाल है पार्टी इस बार 75 से ज्यादा सीटें जीतकर वापसी करेगी। पाली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इस चुनावी रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनमानस मौजूद रहे।

इस दौरान आमसभा के बाद सीएम ने मीडिया से भी चर्चा की और कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर बातचीत की। सरगुजा क्षेत्र के नेता और मौजूदा विधायक चिंतामणि महाराज के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर बघेल ने कहा कि यह पुरानी बात है इससे कांग्रेस पार्टी को कोई नुकसान नही होगा

छत्तीसगढ़ियों पर बात आएगी, तो न मैं चुप बैठूंगा, न जनता चुप बैठेगी: भूपेश

प्रधानमंत्री जी! आप छत्तीसगढ़ में आकर मुझे गाली दे रहे हैं। मैं सुन रहा हूँ। आपके मंत्री और नेता आकर मुझे बदनाम कर रहे हैं। मैं सुन रहा हूं। पहले रमन सिंह जी ने मुझे छोटा आदमी कहा था, मैंने सुन लिया था। लेकिन मेरे छत्तीसगढ़ की जनता को अपशब्द न कहना, छत्तीसगढ़ियों पर अगर बात आएगी, तो न मैं चुप बैठूंगा न छत्तीसगढ़ की जनता चुप बैठेगी। भरपूर जवाब मिलेगा। सीएम भूपेश बघेल ने यह बात कही।आगे उन्होंने कहा कि आप(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) जिम्मेदारी के पद पर बैठे हुए हैं और आपको सवालों के जवाब देने होंगे। आप क्यों जातीय जनगणना नहीं कराते हैं? आपको किसका डर है? सबसे बड़ा झूठा सर्च करेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी का नाम आगे आएगा वह ये लड़ाई सीधी नहीं लड़ रहे हैं। कभी झूठा आरोप लगा देंगे तो कभी ईडी को सामने ले आएंगे।

रायपुर-बिलासपुर के साथ प्रमुख शहरों में 31 जनवरी तक पटाखे जलाए जाने पर लगी रोक

» रायपुर,बिलासपुर,भिलाई-दुर्ग,रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में लगा प्रतिबंध

दुर्ग,14 नवम्बर 2023 (ए)। नेशनल ग्रीन ट्रीब्युनल प्रिंसपल बैच नई दिल्ली द्वारा पटाखों के उपयोग के संबंध में पारित आदेश के परिपालन में राज्य शासन द्वारा रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में प्रतिवर्ष 1 दिसंबर से 31 जनवरी की अवधि में पटाखों का जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में छत्तीगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार राज्य में केवल हरित पटाखों का विक्रय सुनिश्चित किया गया है। दीपावली, छठ, गुरूपर्व तथा नया वर्ष/क्रिसमस के अवसर पर पटाखे फोड़ने की अवधि 2 घंटे निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार दीपावली रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक, छठ पूजा प्रातः 6 बजे से प्रातः 8 बजे तक, गुरूपर्व रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक तथा नया वर्ष/क्रिसमस रात्रि 11:55 बजे से रात्रि 12:30 बजे तक की समयावधि निधारित है। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार पटाखों के जलाने से शीत ऋतु में वायु प्रदुषण में वृद्धि होती है। शासन द्वारा वायु प्रदुषण के रोकथाम हेतु प्रदुषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम के वैधानिक प्रवाधानों के तहत् प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में 1 दिसंबर से 31 जनवरी की अवधि में पटाखों का जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है।

जवानों और नक्सलियों के मुठभेड़ में घायल चरवाहे की मौत

कांकेर,14 नवम्बर 2023 (ए)। 7 नवंबर को कांकेर जिले के अंदरूनी इलाक़ो में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने बीएसएफ के जवान जंगल में सर्चिंग कर रहे थे। इस बीच उलिया गांव के जंगल में बीएसएफ जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसी बीच जंगल में मवेशी चरा रहे किसान दोगेराम को पेट में गोली लग गई और वह घायल हो गया था।

मुठभेड़ खत्म होने तक घायल किसान जंगल में ही दर्द से तड़पता रहा और कराहते, चिल्लाते रहा. कुछ समय बाद जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई, तो वाहन के जरिये घायल किसान को जिले के बांदे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे कांकेर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

नक्सली मुठभेड़ के दौरान में जंगल में मवेशी चरा रहे एक ग्रामीण किसान को भी गोली लग गई थी, जिसकी मंगलवार सुबह मौत हो गई। ग्रामीण किसान को गोली लगने के बाद लगातार उसका इलाज रायपुर में किया जा रहा था। लेकिन स्थिति गंभीर होने के चलते मंगलवार सुबह ग्रामीण किसान ने दम तोड़ दिया।

विधानसभा चुनाव में बस्तर संभाग के 12 विधानसभा सीटो में प्रथम चरण का मतदान 7 नवम्बर को पूरा हो चुका है और चुनाव के सुरक्षा में लगे जवानों के बस्तर से वापस जाने का भी सिलसिला शुरू हो गया है। नक्सल प्रभावित कांकेर जिले के भी मतदान केंद्रों में नक्सलियों ने मतदान के दिन अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए गश्त पर निकले जवानों को नुकसान पहुंचाने के फिराक में उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी।

हालत गंभीर होने के चलते कांकेर से उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर लाया गया, लेकिन इलाज के दौरान किसान दोगेराम की मंगलवार सुबह मौत हो गई। मुठभेड़ के कुछ देर बाद ही पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दावा किया था कि उलिया में हुए मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों को गोली लगने से वे घायल हो गए हैं, साथ ही कुछ के मारे जाने की भी संभावना जताई थी।

गस्त के दौरान हुई थी मुठभेड़

इधर अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर पुलिस के दावे के अनुसार घायल नक्सली कहां है? इतना ही नहीं इधर जिस ग्रामीण को गोली लगी है, उसे लेकर भी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों ओर से चली गोलीबारी में आखिर उसे किसकी गोली लगी है।

यह जांच का विषय बना हुआ है। दरअसल पहले चरण के मतदान में बस्तर के कई क्षेत्रों में नक्सलियों ने वोटिंग के दौरान फायरिंग और आईईडी ब्लास्ट कर चुनाव में बाधा डालने की कोशिश की, हालांकि लोगों ने बढ़चढ़ कर लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लिया।

मतदान से एक दिन पहले कांकेर के रेंगावही मतदान केंद्र के पास नक्सलियो द्वारा प्लांट आईईडी ब्लास्ट हो गया था, इसके बावजूद यहां लोगों ने मतदान किया. इसके बाद मतदान कर्मी जब वापस पंखाजूर पहुंचे, तो उनका पुलिस अधीक्षक ने सम्मान किया था. इस मुठभेड़ में बीएसएफ के भी एक जवान को गोली लगी थी और वह बुरी तरह से घायल हो गया था।

स्कार्पियो में मिला 1.12 करोड़

पुलिस और एफएसटी की कार्रवाई

बलौदाबाजार,14 नवम्बर 2023 (ए)। दूसरे चरण के चुनाव के ठीक तीन दिन पहले पुलिस और एफएसटी टीम की टीम को खरतोरा नाका में बड़ी सफलता मिली है।. एक स्कॉर्पियो से एक करोड़ बारह लाख रूपये कैश पकड़ाया है, यह मामला पलारी थाना क्षेत्र का है। पुलिस और एफएसटी की संयुक्त टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए हवाला कारोबारियों के हौसले पस्त कर दी है। जिले में चुनाव के मद्देनजर लगातार चेकिंग जारी है।

इतनी बड़ी रकम को लेकर स्कॉर्पियो में बैठे लोगों से पूछताछ की गई और दस्तावेज मांगा गया। जिसपर आवश्यक दस्तावेज नहीं दिखाए जाने पर कैश जब्त कर कर लिया गया है।

घटना के संबंध में एसएसपी दीपक झा ने बताया कि खरतोरा नाका जांच नाका में वाहनों की जांच की जा रही थी. इसी दौरान स्कार्पियो वाहन की जांच में एक करोड़ बारह लाख रुपये नगद मिले हैं।

पूछे जाने पर उसमें बैठे लोग सीएमएस कंपनी का होना बताये और एटीएम में रूपये डालने जाने के लिए जा रहे थे बताया। इतनी बड़ी रकम और सुरक्षा व्यवस्था में कमी दिखाई दिया और आवश्यक दस्तावेज नहीं दिखाये जाने पर रकम की जब्ती की गई है और आगे पुछताछ की जा रही है।

जो 500 नहीं दे सकते है वह सालाना 15 हजार रुपये कैसे दे पाएंगे: सीएम हिमंत बिस्वा

रायपुर,14 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा का प्रचार के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा रायपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रायपुर एयरपोर्ट में पत्रकारों से चर्चा की और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। हिमंत बिस्वा ने कांग्रेस के गृह लक्ष्मी योजना की घोषणा पर कहा कि 2018 का वादा निभाया नहीं। जो 500 नहीं दे सकता है वह सालाना 15 हजार रुपये कैसे दे पाएगा।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बीजेपी ने घोषणा पत्र निकाल दिया है तो सीएम भूपेश बघेल नर्वस हो गए हैं। दीपावली के दिन उन्होंने महिलाओं को सलाना 15000 रुपये देने की घोषणा की। 2018 में बोले थे 500 रुपये महीना महिलाओं को देंगे, 2018 का वादा निभाया नहीं। जो 500 नहीं दे सकता है, वह सालाना 15 हजार रुपये कैसे दे पाएगा? कांग्रेस सरकार में बौखलाहट दिख रही है। सबको पता चल गया है अब इनकी कहानी खत्म हो चुकी है। सरकार बीजेपी का बनने वाला है।100त्र नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनेगी। कांग्रेस सरकार बैक फुट में आ चुकी है। वहीं ढाई साल के सीएम थे भूपेश बघेल फिर ढाई साल का एक्सटेंशन कैसे मिला? एग्रीमेंट क्या हुआ? पहले ताम्रध्वज साहू का नाम चारों ओर चल रहा था। ढाई साल का कुर्सी संभाल आगे

का ढाई साल एक्सटेंशन हो गया, बिना कुछ लेनदेन के हो गया। बार-बार घोटाला कर रहे हैं कोयला से दारू से बाबा भोलेनाथ तक। अपने लिए जो किया वह किया लेकिन दिल्ली में कितना भेजे? दिल्ली का रुपया देश में कहां-कहां लगा, यह पूरा हिसाब आपको देना पड़ेगा चुनाव में जनता के सामने देना पड़ेगा।

कांग्रेस का आरोप हिमंत बिस्वा सरमा धर्म के नाम पर लड़ा कर जाते है, इसपर सरमा ने कहा कि सनातन का जयगान करना मेरा काम है। जब भी मुझे मौका मिलता है चुनाव हो, शादी हो, पर्व हो व्यक्तिगत संबंध हो दो शब्द में सनातन के बारे में बोल कर जाता हूं। सनातन के बारे में बोलना देश में गुण है। यहां नहीं बोलूं तो पाकिस्तान या बांग्लादेश में बोलूं क्या?

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस की घोषणाओं पर बोले हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पूरा बीजेपी को नकल करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले से हमको कॉपी कर रहे हैं। हम बोले 3100 धान का देंगे उन्होंने 3200 कर दिया। आनन फानन में महिलाओं को 15 हजार देने की घोषणा की। ओरिजिनल से कॉपी बड़ा होता है।

सीएम भूपेश बघेल के चेहरे को लेकर हिमंत बिस्वा ने कहा कि पहले भूपेश बघेल का चेहरा हटाया कांग्रेस के नाम का इस्तेमाल हुआ। उसी दिन पता चल गया था कि एग्जिट पोल ओपिनियन पोल कांग्रेस के भी हाथ में आ चुका है कि अब चुनाव भूपेश के चेहरे में नहीं होगा। इसलिए बघेल का चेहरा हटाया अब किसका हटेगा।

नक्सली नेता ने पुलिस के इस दावे का किया खंडन

बीजापुर,14 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के मतदान के बीच अलग-अलग जगहों पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। वहीं पदेड़ा मतदान केंद्र में हुए मुठभेड़ में जवानों की जवाबी कार्रवाई के दौरान तीन से ज्यादा नक्सली मारे जाने का दावा पुलिस कर रही थी। लेकिन अब मतदान के दौरान हुए पदेड़ा में मुठभेड़ के मामले में एक नया खुलासा सामने आया है।

मिली जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ के मामले में नक्सली नेता मोहन ने प्रेस नोट जारी किया। मोहन ने प्रेस नोट जारी कर पुलिस के दावों का खंडन किया। उन्होंने बताया कि ग्रेनेड लॉन्चर मिस फायर के कारण चोंटे आई हैं। लेकिन ड्रोन शॉट देखकर 2-3 नक्सली मारे जाने का दावा झूठा है। बता दें कि नेता मोहन पश्चिम बस्तर डिवीजनल कमेटी के सचिव हैं। दरअसल, नक्सलियों ने 7 नवंबर को मतदान के दौरान हमला किया था।

प्रियंका के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

स्वागत के लिए चौराहों पर जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता

रायपुर,14 नवम्बर 2023 (ए)। दूसरे चरणँ के प्रचार के अंतिम चरण में मंगलवार को प्रियंका गांधी ने रोड शो की शुरूआत राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। रोड शो में सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज और कांग्रेस के चारों प्रत्याशी मौजूद हैं।

कांग्रेस की महासचिव और कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी का आज राजधानी रायपुर में रोड शो को मिली एतिहासिक सफलता । प्रियंका गांधी के रोड शो में शामिल होने भूपेश बघेल राजीव गांधी चौक पहुंचे और राजीव गांधी चौक से प्रियंका गांधी का रोड शो शुरू हुआ। इसके पहले प्रियंका गांधी ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रोड शो में सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज और कांग्रेस के चारों प्रत्याशी मौजूद हैं। रोड शो में पहुंचते ही प्रियंका गांधी के स्वागत के लिए काफी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता, महिलाएं और बच्चे आजाद चौक सहित कई चौक चौराहे में पहुंचे हुए हैं, कुछ देर में प्रियंका गांधी का रोड शो आजाद चौक पहुंचेगा। जहां से आजाद चौक से सदर बाजार जाने वाले मार्ग को बंद किया गया है और यहां के ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है।

छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर को दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान होना है, कल यानी 15 नवंबर की शाम राज्य में चुनाव प्रचार थम जाएगा। जिसे देखते हुए राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार-प्रसार में पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी और कांग्रेस

दोनों ही पार्टियों के दिग्गज नेताओं का दौरा जारी है. इसी कड़ी में आज कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा छत्तीसगढ़ दौरे पर आई हुई है।

प्रियंका राजधानी रायपुर में रोड शो की। प्रियंका गांधी के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और राजधानी रायपुर की सभी विधानसभा सीटों से कांग्रेस के प्रत्याशी मौजूद थे। प्रियंका गांधी का रोड शो राजीव गांधी चौक से शुरू होकर तेलघानी नाका में ख़त्म हुआ।

प्रियंका गांधी का लाइव रोड शो

छत्तीसगढ़ में तीन दिन बाद 17 नवंबर को दूसरे चरण के लिए मतदान होना है। मतदान अंतिम चरण में होने से कांग्रेस और बीजेपी के दिग्गज नेता धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी आज राजधानी रायपुर के दौरे पर हैं, जहां वो पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो करेंगी।

19 सीटों पर होगा असर

दूसरे चरण के मतदान के लिए महज दो दिन बचे हैं। ऐसे में प्रियंका गांधी का रोड शो होने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। प्रियंका गांधी रायपुर में रोड शो कर रायपुर संभाग की 19 विधानसभा सीटों पर असर डाल सकती हैं। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस चुनाव के अंतिम चरण में प्रियंका गांधी का रोड शो करवा रही है।

जगह-जगह लोगों ने प्रियंका गांधी का किया स्वागत

रोड शो सुभाष स्टेडियम से शुरू होकर कोतवाली चौक, सदर बाजार, आमापारा चौक, अग्रसेन चौक होते हुए तेलगानी नाका पहुंचा। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने प्रियंका गांधी का स्वागत किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)